दैनिक सांध्य प्रकाश

वर्ष 52/ अंक 178/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 4 फरवरी 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

दैनिक सांध्यप्रकाश

क्या अडानी-कांड बनेगा बोफर्स ?

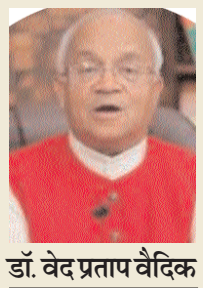

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

उद्योगपति गौतम अडानी को लेकर संसद का यह सत्र लगभग ठप्प हो रहा है। विपक्ष के नेता समझ रहे हैं कि उन्हें बोफर्स की तरह एक जबर्दस्त मुद्दा हाथ लग गया है। पिछले आठ-नौ सालों में मोदी को पटकनी मारने के लिए हमारे नेताओं ने कई हथकंडे अपनाए लेकिन मोदी का जलवा बढ़ता ही गया।

अब अडानी के काम-धंधों पर आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने उन्हें इतना उत्साहित कर दिया है कि वे संसद का काम-काज ठप्प करने पर उतारू हो गए हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और मोदी पर बनी बी.बी.सी. की फिल्म ने जितना हंगामा खड़ा किया, उससे कहीं ज्यादा बड़ा तूफान आनेवाला है। अब संसद के बाहर भी धरनों, प्रदर्शनों, पत्रकार परिषदों की झड़ी लगनेवाली है लेकिन असली सवाल यह है कि यह मामला क्या मोदी का बोफर्स बन सकेगा?

इसमें शक नहीं है कि अडानी और मोदी दोनों गुजराती हैं, दोनों एक-दूसरे से भली-भांति परिचित हैं और दोनों के बीच सीधा संबंध भी है । अडानी की कंपनियों को भारत की सरकारी बैंकों ने जो उधार दिया है, उसके पीछे इन संबंधों की शक्ति से कौन इन्कार कर सकता है? लेकिन क्या विरोधी दल प्रमाण देकर यह सिद्ध कर सकेंगे कि अरबों-खरबों रू. के मोटे कर्ज अडानी को सरकार के इशारे पर दिए गए हैं? यदि हमारा विपक्ष इससे कुछ ठोस प्रमाण जुटा सका तो मोदी सरकार बड़ी मुश्किल में फंस जाएगी। लाखों लोगों को शेयर बाजार में जो अरबों-खरबों का नुकसान हो रहा है, क्या वे लोग चुप बैठेंगे? अभी से उन्होंने शोर मचाना शुरु कर दिया है। उनमें से कुछ मुखर लोग जमकर विपक्ष का साथ देंगे और सरकार विरोधी रहस्योद्घाटन में शामिल हो जाएंगे। कोई आश्चर्य नहीं कि कुछ अफसर भी मजबूरन इन रहस्योद्घाटनों में शामिल हो जाएं। वे अपनी जान बचाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

अभी तो रिजर्व बैंक और सरकारी नियामक संस्थाओं ने अडानी समूह के खिलाफ प्रतिबंध लगा दिए हैं। अडानी के शेयरों की कीमत रोज़ गिर रही है। सरकार अपनी खाल बचाने के लिए अडानी समूह के खिलाफ जांच बिठा देगी, उसे अपनी खाल बचाने का एक बहाना मिल जाएगा। विदेशों में भी इस ग्रुप की साख पर आंच आ रही है। उसके कारण मोदी और भारत की स्वच्छ छवि पर भी प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं। हो सकता है कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट के पीछे कोई मोदी-विरोधी ताकतें भी सक्रिय हों लेकिन मोदी सरकार यदि अपनी स्वच्छता के ठोस प्रमाण नहीं दे सकी तो कोई आश्चर्य नहीं कि यह हिंडनबर्ग रपट बोफर्स जैसी बन जाए।

दूषित जल प्रबंधन में लापरवाही आमजन पर पड़ रही है भारी

रमेश शर्मा

विभिन्न स्त्रोतों से निकलने वाला वेस्टवाटर जगह- जगह से बहकर अंततः हमारे जलस्त्रोत जैसे तालाब, पोखर, धाराओं, नदियों और समुद्र में चला जाता है जो मानव जीवन पर बेहद खतरनाक असर डालता है। यह निर्विवाद सत्य है कि 85 फीसदी जल सप्लाई (जलापूर्ति में बिना किसी उपचार के हमारे इकोसिस्टम में फिर से वापस आ जाता हैं, जोकि हमारे स्वास्थ्य के लिए तो खतरनाक है ही, साथ ही हमारे पर्यावरण पर घातक रूप से प्रभाव डाल सकता है। बिना उपचार का दूषित जल हमारे पीने के पानी को दूषित तो करता ही है साथ ही बीमारियां पैदा करता है। दिनों-दिन घरेलू तथा व्यवसायिक स्थलों से उत्पन्न होने वाले दूषित पानी की मात्रा लगातार बढ़ रही हैं मगर हमारे दूषित जल प्रबंधन में सरकारी स्तर पर बरती जा रही लापरवाही आम आदमी पर भारी पड़ रही हैं जिससे संक्रामक बीमारियों का फैलाव तेजी से होता जा रहा है।

यह एक भ्रम हैं कि हमारा भू-जल साफ सुथरा और पीने योग्य है, बल्कि हकीकत यह है कि हमारे पानी के स्रोत दूषित खनिज से भरे पड़े रहते हैं, वजह, हमारे जल स्त्रोतों में करोड़ो गैलन पानी -बिला उपचारित प्रक्रिया के विभिन्न जल स्त्रोतों में चला जाता है। दूषित जल के जल स्त्रोंतों में प्रवेश को रोकने के लिए वेस्ट वॉटर मैनेजमेंट प्रचलित प्रक्रिया है जिसके जरिए दूषित जल को नियंत्रित किया जाता है ताकि हमारे जल स्रोतों में जो पानी वापस जाए वह हमारे इकोसिस्टम के लिए सुरक्षित रहें और मानव जीवन पर कुप्रभाव नहीं डाले। दुषित) अपशिष्ट जल प्रबंधन इस दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

अपशिष्ट जल विभिन्न प्रक्रियाओं से उपचारित किया जाता हैं जिनमें इंफ्यूलैट ट्रीटमेंट प्लांट (ई.टी.पी.) सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट [एस.टी.पी.] तथा कॉमन इफ्यूलैंट ट्रीटमेंट प्लांट [सी.ई.टी.पी.] प्रमुख है। इन संस्था संयंत्रों की स्थापना विभिन्न औद्योगिक संस्थानों तथा आवासीया व्यवसायिक परियोजनाओं में की जाती है। मानव जीवन पर अपशिष्ट जल के कुप्रभाव को रोकने तथा कल अपशिष्ट जल प्रबंधन को सुचारू रूप से चलाने हेतु भारत सरकार ने विभिन्न अधिनियम बनाएं हैं और महत्वपूर्ण नियमों का गठन किया है। साथ ही इस विषय पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दि. 22.02.2017 को एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है जिसके अनुसार तक मांग के अनुसार ई.टी.पी./ एसटीपी। सीईटीपी की स्थापना तथा कार्यरत् रखना अनिवार्य किया गया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश को माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानि एन.जी.टी) ने भी पालन करते हुए अपने प्रकरण क्रमांक 549/2017 के तहत आदेश जारी किए जिसके पालन हेतु के केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट एनजीटी में प्रस्तुत की है।

अपशिष्ट जल प्रबंधन को समझने के पहले पानी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों को जानना भी जरूरी है। हमारे पृथ्वी ग्रह पर पानी एक कीमती वस्तु हैं और पूरी दुनिया जानती है कि इस बेशकीमती पानी किस संकट से गुजर रहा है। ये संसाधन आज मानव जनित गतिविधियों जैसे बढ़ती आबादी और तकनीकी विकास से नवतरे में पहुंच चुका है। चूंकि पूरी दुनिया में पानी की भारी मांग है इसलिए इसका उपयोग बड़ी सावधानी से करना बहुत जरूरी है। आंकड़े बताते है कि दुनिया की फीसदी आबादी पानी की कमी से जूझ रही है। भारत, जोकि विश्व की आबादी का 18 फीसदी हिस्सा रखता है, उसके 4 फीसदी जल संसाधन मौजूद है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2030 में भारत में पानी की मांग उपलब्ध पानी से दोगुणी रहेगी यानी भारत कारी पानी की भारी कमी से जुझेगा और अगर थे हालात 20 वर्षों तक बने रहे तो हमारे 50 फीसदी जल भजीत खतरनाक स्थितियों में रहेंगे। हमारे देश की जीडीपी में पानी की कमी से ही %फीसदी की गिरावट देखी जाएगी।

देश में पानी का उपयोग हर क्षेत्र में होता है। व्यवसायिक क्षेत्रों जैसे होटल, रेस्टारेंट, मोटल्स, ऑफिस, भवनों में पानी की खासी खपत होती है। घरेलू उपयोग में पानी पीने, खाना बनाने और अन्य दैनिक कार्यों में उपयोग में आता है। उद्योगों और कृषि कार्यों में भी पानी का भारी उपयोग होता है। खलन कार्यों में भूजल का भारी उपयोग होता है। जहां तक अवशिष्ट जल (वेस्टवाटर) के उत्पादन का सवाल है, तो घरों में मलमूत्र के रूप में में उपयोग का पानी ब्लैक वॉटर तथा अन्य धुलाई कार्यों से निकलने वाला पानी ग्रे वॉटर कहलाता है। अवशिदर जल के अन्य स्रोत, तेल, कीटनाशक, चिकने तेल, पेंट, तरल पदार्थ, सड़?कों का पानी, सडकों की गंदगी के साथ बहता पानी, पेट्रोल, रबर के अवशेष, धातु, ड्रेनेज तथा जैव चिकित्सा अपशिष्ट के साथ प्रवाहित पानी है।

इन सभी प्रकार के अपशिष्ट या दूषित जल का उपचार ट्रीटमेंट प्लांट की प्रक्रिया से किया जाता हो अनुमान है कि हर साल भारत में 1.8 लाख लोग जलजनित बीमारियों से मरते है। सही सैनिटेशन के अभाव में मोतों का आंकड़ा ज्यादा है। वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट के जरिए वेस्ट वॉटर में से दूषित पदार्थों को निकालकर ठोस अपशिष्ट को पुन=उपयोग हेतु या डिस्चार्ज किया जाता है। ई. टी. पी. का उपयोग उद्योग, संस्थानों में उपयोग होने वाले पानी में से टॉक्सिस पदार्थों या रसायनों को निकालने में किया जाता है। इसकी प्रक्रिया में अपशिष्टों को निकालकर पानी के शामिल है। ईटीपी का संस्थापन प्रमुख रूप से पुन=उपयोग हेतु बनाता

– शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री ने किया आईपीएस सर्विस मीट का शुभारंभ

पुलिस कर्मी हृदय में संवेदना रखकर कार्य करें: शिवराज

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पुलिस कर्मी हृदय में संवेदना रखकर कार्य करें। साथ ही अपराधियों की कमर तोड़ना सबसे ज्यादा जरूरी है। 23 हजार एकड़ जमीन अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराई। कानून व्यवस्था की स्थिति से हम संतुष्ट हैं। बेटियों के साथ दुष्कर्म होता है। कई बार आरोपित रिश्तेदार होते हैं। हमें ऐसे अपराध को रोकना है।

राजधानी में आइएएस सर्विस मीट के बाद अब आइपीएस सर्विस मीट का भी आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में पहुंचकर आइपीएस सर्विस मीट का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा, पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना के के साथ-साथ आला पुलिस अधिकारी व उनके स्वजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सीएम शिवराज ने पुलिसकर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा और सेवा के जज्बे को सराहते हुए कहा कि देशभक्ति और जनसेवा के भाव का अक्षरशः साल भर क्रियान्वयन होते मैंने देखा है। कोविड-19 के दौरान अपनी जान हथेली पर रखकर और सिर पर कफन बांध कर चौराहे पर हमारे पुलिस के जवान व अधिकारी खड़े रहे। यह अभिनंदनीय है। मध्यप्रदेश पुलिस का गौरवशाली इतिहास रहा है। पंजाब, नॉर्थ ईस्ट, कश्मीर हो, जहां भी आवश्यकता पड़ी, आप गये और शानदार सफलता प्राप्त कर देश की एकता, अखण्डता को बनाये रखने में अपना योगदान दिया!

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में पुलिसकर्मियों ने सिर में कफन बांधकर काम किया है। यह हम सभी को गर्व से भर देता है। पुलिसिंग के मामले में मध्य प्रदेश का देश में अलग नाम है और देश में हमारी पुलिस की अलग साख है। हमारे अधिकारियों ने पूरे देश में नाम कमाया है। जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर जहां भी जरूरत पड़ी हमारी पुलिस गई और सफलता हासिल की। पूर्व आइपीएस अधिकारी सरबजीत सिंह और विजय यादव ने डकैतों को खत्म करने में बड़ी भूमिका निभाई। कम्युनिटी पुलिसिंग और समाज सुधारक की भूमिका में आकर पुलिस नशा के कारोबार को रोक सकती है। उन्होंने कहा कि पुलिस के अफसरों और जवानों के सीने पर मेडल लगाकर मुझे गर्व होता है।

खरीफ उपार्जन की समीक्षा: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ विपणन वर्ष 2022 -23 के उपार्जन की समीक्षा की। श्री चौहान ने शेष रह गए किसानों से खरीदी करने, लंबित भुगतान तत्काल जारी करने और अनियमितताओं पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए।

मोतिहारी में एनआईए का छापा, पीएफआई के तीन संदिग्धों को लिया हिरासत में

पटना। एनआईए ने एक बार फिर पूर्वी चंपारण में दबिश दी है। एनआईए पटना और रांची की टीम ने शनिवार सुबह मोतिहारी जिले के चकिया थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। जिला पुलिस के सहयोग से एनआईए ने चकिया के कुअवां गांव में छापेमारी कर तीन लोगों को हिरासत में लिया है, जिन्हें किसी गुप्त स्थान पर रखकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि, एनआईए ने किस मामले में कार्रवाई की है, यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है।

एसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया, पटना और रांची एनआईए की टीम ने जिला पुलिस के सहयोग से चकिया में छापेमारी की है। एनआईए तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एनआईए ने जिला पुलिस से सहयोग मांगा था, किस मामले में छापेमारी हुई है, उसका स्पष्ट कारण बताना मुश्किल है।

बता दें कि पटना के फुलवारी शरीफ वाले मामले में चकिया का रियाज भी नामजद है और वह एनआईए की गिरफ्त से बाहर है। रियाज भी चकिया के कुअवां का रहने वाला है, जहां शनिवार सुबह एनआईए ने छापेमारी कर तीन लोगों को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए तीनों का नाम बताने से पुलिस परहेज कर रही है

मानहानि केस में दिग्विजय को जमानत

भोपाल। जिला न्यायालय ने आज मानहानि के मामले में दिग्विजय सिंह को जमानत दे दी। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के खिलाफ मानहानि का आरोप लगाया था। शर्मा का आरोप था कि दिग्विजय सिंह ने 4 जुलाई 2014 को इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के सामने उनके खिलाफ आरोप लगाते हुए कहा था कि वीडी शर्मा एबीवीपी के महामंत्री रहे हैं। उनके द्वारा व्यापमं घोटाले में बिचौलिए का काम किया गया। इससे उनकी छवि आम लोगों में धूमिल हुई है। कोर्ट ने 5 दिसंबर 2022 को धारा 500 के तहत दिग्विजय सिंह पर केस दर्ज किया है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस: ईडी ने राहुल गांधी के सहयोगी से की पूछताछ

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के करीबी अलंकार सवाई से पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। इस मामले में ही टीएमसी प्रवक्ता साकेत गोखले को हाल ही में एजेंसी ने गुजरात में गिरफ्तार किया था।

अधिकारियों ने कहा कि सवाई से पूछताछ की गई और इस सप्ताह की शुरुआत में तीन दिन तक अहमदाबाद में गोखले के सामने बिठाकर आमना-सामना कराया गया। एक पूर्व बैंकर, सवाई को राहुल गांधी का करीबी सहयोगी माना जाता है, और उनकी शोध टीम का हिस्सा भी हैं।

संघीय जांच एजेंसी ने 35 वर्षीय गोखले को 25 जनवरी को गिरफ्तार करने के बाद सवाई को तलब किया था, जब वह क्राउड फंडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से धन जुटाने में कथित वित्तीय अनियमितताओं के सिलसिले में गुजरात पुलिस की हिरासत में थे।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उस दिन गोखले की रिमांड मांगते हुए अहमदाबाद की एक अदालत को सूचित किया था कि जब उनसे उनके बैंक खाते में एक साल में नकद में जमा कराए गए 23.54 लाख रुपये के बारे में पूछा गया था, तो गोखले ने एजेंसी को बताया था कि सोशल मीडिया कार्य और अन्य परामर्श के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अलंकार सवाई द्वारा नकद में दिया गया था।

यह पूछे जाने पर कि सवाई ने उन्हें नकद भुगतान क्यों किया, गोखले ने कहा कि केवल

शरजील इमाम और आसिफ इकबाल तनहा को साकेत कोर्ट ने किया बरी, फिर भी नहीं होगी जेल से रिहाई

नई दिल्ली। दिल्ली की साकेत कोर्ट ने जामिया में हुए 2019 की हिंसा के केस में शरजील इमाम और आसिफ इकबाल तनहा को बड़ी राहत देते हुए बरी कर दिया है। हालांकि उन्हें अब भी कई अन्य मामलों के चलते जेल में ही रहना होगा। इनके खिलाफ दंगा भड़काने और असंवैधानिक भीड़ जुटाने के लिए आईपीसी की धारा- 143, 147, 148, 186, 353, 332, 333, 308, 427, 435, 323,341, 120बी और 34 के तहत मामला दर्ज है। हालांकि इमाम अब भी जेल में ही रहेगा क्योंकि उसके खिलाफ पूर्वी दिल्ली में 2020 में हुए दंगों में कई मामलों में केस दर्ज है। शरजील इमाम और कई अन्य पर फरवरी 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड होने के लिए यूएपीए मामले में आतंकवाद विरोधी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। दंगो में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हो गए थे। नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक पंजीकरण के विरोध में प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़की थी। इमाम पर दिसंबर 2019 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में सीएए और एनआरसी पर सरकार के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने का आरोप था।

आईबी डायरेक्टर के घर पर तैनात अफसर ने सुसाइड किया

नई दिल्ली। दिल्ली के तुगलक रोड इलाके में इंटेलिजेंस ब्यूरो डायरेक्टर के आवास पर तैनात ऑफिसर ने खुद को गोली मार ली। उनकी पहचान एएसआई राजबीर कुमार (53) के रूप में हुई है। घटना बीते शुक्रवार शाम करीब चार बजे की है। पुलिस के मुताबिक, मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल, मामले की जांच जारी है।

भारतीय मूल के युवक को ब्रिटेन देगा राजद्रोह की सजा

लंदन। ब्रिटेन ने एक भारतीय मूल के युवक को राजद्रोह का दोषी ठहराया है। कोर्ट 31 मार्च को जसवंत सिंह छैल नाम के युवक को सजा सुनाएगा। उसने 2021 में क्वीन एलिजाबेथ 2 को मारने की धमकी दी थी। जसवंत सिंह छैल एक क्रॉसबो के साथ विंडसर पैलेस पहुंच गया था। वहां जाकर उसने कहा था कि वो महारानी को मारना चाहता है।

कर्नाटक चुनाव: भाजपा ने धर्मेंद्र प्रधान को बनाया राज्य प्रभारी, अन्नामलाई को भी अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली। कर्नाटक में इस साल के मध्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। पार्टी ने शनिवार को कर्नाटक में चुनाव प्रभारी के तौर पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नियुक्त कर दिया। उनके साथ तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के अन्नामलाई को राज्य में सह-प्रभारी बनाया गया है।

गौरतलब है कि कर्नाटक में सत्तासीन भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस दोनों ने अप्रैल-मई में होने वाले इन चुनावों के लिए लोगों तक पहुंच बनाने की अपनी मुहिम जोर-शोर से शुरू कर दी है। प्रधान को

पहले भी कई राज्यों में चुनावों का जिम्मा सौंपा जा चुका है। पार्टी की उम्मीद रहेगी कि वह एक कुशल नेता के रूप में राज्य में संगठन को संगठित करें और स्थानीय इकाई में आंतरिक समस्याओं को दूर करें, ताकि इस महत्वपूर्ण दक्षिणी राज्य में पार्टी सत्ता बरकरार रखने के अधिकतम प्रयास कर सके।

भाजपा ने सिक्किम में संगठन में किया बदलाव- इसके अलावा भाजपा ने सिक्किम में पार्टी संगठन में भी फेरबदल किए हैं। सिक्किम में पार्टी ने डीआर थापा को प्रदेशाध्यक्ष बनाया है। इसके अलावा पार्टी के विधायक एनके सुब्बा को विधायी पार्टी लीडर बनाया गया है। विधायक डीटी लेपचा को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है।

महापौर ने जोन 13 के वार्डों का निरीक्षण कर नागरिकों से की स्वच्छता पर चर्चा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महापौर ने सिटी प्रोफाइल एवं सस्टेनेबल सिटी पैरामीटर्स के निरीक्षण के तहत जोन क्र. 13 के अंतर्गत वार्ड क्र. 52, 53, 54 एवं 55 के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था, सुलभ जनसुविधा केन्द्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और पेसिफिक ब्लू में रहवासी संघ व आशिमा मॉल के समीप व्यवसायियों से संवाद किया । इस दौरान बी.डी.ए कालोनी से एन.आर.आई कालोनी तक नाले का निरीक्षण कर साफ-सफाई सुनिश्चित करने, के निर्देश दिए ।

महापौर मालती राय ने शुक्रवार को जोन क्र. 13 के अंतर्गत वार्ड क्र. 52, 53, 54 एवं 55 के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती राय ने साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और साफ-सफाई व्यवस्था एवं कचरा प्रबंधन को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने बी.डी.ए काम्प्लेक्स स्थित सुलभ जनसुविधा केन्द्र की व्यवस्था को भी अवलोकन किया और यहां स्वच्छता के साथ ही जनसुविधा संबंधी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने फेसिफिक ब्लू कालोनी में रहवासी कल्याण समिति के सदस्यों से स्वच्छता संवाद किया और यहां साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण भी किया। महापौर श्रीमती राय ने नागरिकों से अपील की कि स्वयं भी स्वच्छता बनाए और अन्य लोगों को भी स्वच्छता हेतु प्रेरित करते हुए निगम की स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में सक्रिय सहयोग देकर अपने शहर को स्वच्छता में नंबर 01 बनाएं। महापौर श्रीमती राय ने आशिमा मॉल के समीप मार्केट के व्यवसायियों से भी चर्चा की

महापौर ने बड़ा तालाब के किनारों एवं घाटों का किया निरीक्षण: महापौर मालती राय ने शुक्रवार को बड़े तालाब के किनारों एवं घाटों के व्यवस्थिकरण एवं सौंदर्यीकरण के दृष्टिगत बड़े तालाब के प्रेमपुरा घाट, भदभदा पुल, सूरज नगर, बिसनखेड़ी, जमुनिया छीर, बैरागढ़ विसर्जन घाट, खानूगांव, कमला पार्क, बोट क्लब आदि क्षेत्रों का निरीक्षण किया। महापौर श्रीमती राय ने प्रेमपुरा घाट के पुनर्निर्माण हेतु कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही सम्पूर्ण बड़ा तालाब के किनारों एवं अन्य घाटों के व्यवस्थिकरण हेतु आवश्यकतानुसार मरम्मत आदि के कार्य कराने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने सौंदर्यीकरण हेतु किनारों एवं घाटों पर आवश्यकतानुसार आकर्षक पेड़-पौधे लगाने व हरितिमा विकास संबंधी कार्य करने, घाटों व अन्य स्थानों की दीवारों आदि पर आकर्षक पेंटिंग आदि बनाने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने बड़े तालाब की साफ-सफाई को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महापौर ने इस दौरान बोट क्लब पर मछुआ संघ एवं नाव चालकों से भी संवाद किया और उनकी समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु आश्वस्त भी किया।

निसंतानता पर आईएसएआर की ओर से चल रही तीन दिवसीय कार्यशाला

भोपाल। निसंतानता पर आईएसएआर की ओर से 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। 3 फरवरी से शुरू हुई इस कार्यशाला में देशभर से 3 हजार से अधिक डॉक्टर और विशेषज्ञ प्रतिनिधि शिरकत कर रहे है। इस कार्यशाला में नि:सन्तानता विषय पर भविष्य में सरल, सस्ते और सटीक उपचार पर चर्चा व मंथन होगा। यह जानकारी गुफिक बायोसाइंसेज लिमिटेड के वॉयस प्रेसिडेंट रसिक कुलकर्णी ने दी। उन्होंने कहा कि निसंतानता भारत मे एक बड़ी समस्या बनकर सामने आ रही है। ऐसे में इसके इलाज और सरल और सस्ती दवाओं पर फोकस करना बहुत जरूरी है। ऐसी स्थिति में आईएसएआर की ओर से इस कार्यशाला में विशेषज्ञ डॉक्टर और रिसर्च कर रहे प्रतिनिधियों के बीच भविष्य को लेकर बांझपन विषय पर चर्चा होगी।उन्होंने आगे कहा कि वे भारत में बांझपन के निदान के लिए उपयोग होने वाली दवाओं के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक हैं।

कम्पनी की ओर से अबतक निसंतान दम्पत्तियों का इलाज कर रहे 5,000 से अधिक विशेषज्ञों से वे लोग जुड़े हुए हैं। इसके अलावा भारत भर में 2000 आईवीएफ केंद्रों में उनकी उपस्थिति दर्ज है। इन आईवीएफ केंद्रों के लिए लाखों लोगों द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाली सस्ती आईवीएफ दवा गुफिक पिछले 10 वर्षों से हार्मोनल इंजेक्शन का निर्माण कर रहा है। इसका एक समर्पित हार्मोन निर्माण ब्लॉक है।

उन्होंने बताया कि हम इसके अनुसंधान एवं विकास में पुन: संयोजक हार्मोन पर भी काम कर रहे हैं। जिसे यूएसएफडीए, यूके एमएचआरए और डब्ल्यूएचओ-जीएमपी द्वारा अनुमोदित किया गया है। इनफर्टिलिटी से जूझ रहे दम्पत्तियों को मातृत्व,की खुशियां दिलाने का हमारा प्रयास सदा से रहा है। इसके अलावा श्री रसिक कुलकर्णी जी ने यह बताया कि गुफिक बायोसाइंसेज लिमिटेड ने इस आईएसएआर भोपाल कार्यशाला में बेहद महत्वपूर्ण योगदान दिया है। देशभर से आये हुए तीन हज़ार डॉक्टर ने कार्यक्रम की सरहाना की है। कुल मिलाकर ये कार्यक्रम बेहद सफल रहा ।

6 फरवरी को होगा फायनेंशियल इंटेलीजेंस पर सेमीनार का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय द्वारा संस्था के अध्यक्ष सिद्ध भाऊ की उपस्थिति में आगामी 6 फरवरी को फायनेंशियल इंटेलीजेंस विषय पर सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में मोनिका हलन उपस्थित रहेंगी। मोनिका हलन प्रसिद्ध पुस्तक लेट्स टॉक मनी की लेखिका हैं और परिवारों को उनके धन संबंधी निर्णय लेने में मदद करने के साथ वित्तीय साक्षरता, विनियमन, समावेशन और उपभोक्ता मुद्दों की प्रभावी वक्ता हैं। वर्तमान में मोनिका हलन वनस्थली विश्वविद्यालय में एडजंट प्रोफेसर और सेबी एडवाइजरी कमेटी फॉर आई.पी.ई.एफ. की अध्यक्ष हैं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य वित्तीय साक्षरता सहित वित्त से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों से सभी को अवगत कराना है। इसमें विभिन्न प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थाओं के वरिष्ठ शिक्षाविद्, छात्र-छात्राएं एवं अन्य सम्मानितजन भी उपस्थित रहेंगें।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केजी सुरेश काशी सम्मान से अलंकृत

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केजी सुरेश को शुक्रवार को वाराणसी साहित्य उत्सव में काशी सम्मान से अलंकृत किया गया। काशी विश्वनाथ मंदिर के अध्यक्ष प्रो नागेंद्र पांडे द्वारा मंदिर परिसर में काशी वाराणसी साहित्य महोत्सव के उद्घाटन सत्र में यह सम्मान दिया गया द्य इस अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के कुलपति प्रो प्रकाश मणि त्रिपाठी, पूर्व सांसद डॉ रविंद्र किशोर सिन्हा, वरिष्ठ मीडिया शिक्षक प्रो राम मोहन पाठक एवं काशी के अन्य विद्वत जन उपस्थित रहे।

बाबा रामदेव के बयान की निंदा

भोपाल। योग गुरु बाबा रामदेव के हालिया बाड़मेर में दिए गए बयान की कांग्रेस महासचिव मुनव्वर कौसर ने निंदा हुए कहा है कि बाबा रामदेव का बयान सत्य से परे झूठ पर आधारित भ्रामक प्रचार का हिस्सा है जो निंदनीय है, बिना जानकारी के इस्लाम के बारे में बयान देना देश में घृणा, दुर्भवाना,द्वेष और एकता अखंडता को चोट पहुंचाता है। बाबा रामदेव का यह बयान देश में नफरत फैलाने वाला है और जानबूझकर भ्रम फैलाने वाला है जो देश हित में नहीं है। मुनव्वर कौसर ने कहा कि नमाज नेकी के लिए होती है ना कि बदी के लिए, नमाज इंसान को नेक आदमी बनाती है। इस्लाम औरत का सम्मान करना सिखाता है।वह किसी भी मजहब की क्यों ना हो इस्लाम किसी भी महिला या लडक़ी को अपमानित करने, उठाने की इजाजत नहीं देता।

विद्यासागर पब्लिक स्कूल के विजेता नन्हें बच्चों को सिद्धभाऊ ने किया पुरस्कृत

संत हिरदाराम नगर। संत सिद्धभाऊ के कर कमलों से शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित विद्यासागर पब्लिक स्कूल, राधीबाई हासोमल खियंतानी फाउंडेशन स्कूल तथा अर्जन हाथीरामानी मेमोरियल प्ले स्कूल में सत्र 2022-23 के कक्षा प्री-नर्सरी, नर्सरी, के. जी -1 एवं के. जी -2 के नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए उन्हें पुरस्कृत किया गया । इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना व उनमें आत्मविश्वास का भाव जगाना रहा ताकि अन्य छात्र भी इससे प्रेरित होकर आगे बढ़ें ।

सिद्धभाऊ ने अपने आशीर्वचनों में बच्चों द्वारा किये गए प्रदर्शन की सराहना करते हुए सभी बच्चों से कहा कि आपको अच्छी पढ़ाई करने के साथ अच्छी बातें भी सीखनी चाहिए जैसे सवेरे नहाकर आना, अपने माता पिता व शिक्षिकाओं की बात मानना, जिद न करना, टीवी कम देखना, होम वर्क करके आना आदि। ऐसा करेंगे तो अगली बार सभी बच्चों को बहुत सारे पुरस्कार मिलेंगे।

संस्था के सह-सचिव के. एल. रामनानी ने अपने उद्बोधन में बच्चों से कहा कि आपके माता-पिता आपको पुरस्कार मिलने पर बहुत खुश होंगे. वे आपको आगे बढ़ाने के लिए बहुत मेहनत करते हैं । इसी तरह आपकी शिक्षिकाएं भी आपको पढ़ाने के साथ अच्छी अच्छी बातें सिखाती हैं और आपकी रूचि के अनुसार विभिन्न प्रतियोगिताओं में आपको आगे बढ़ाती हैं । जब आप जीवन में आगे बढ़ जाएँ तो आपको कभी उन्हें भूलना नही चाहिए। इस अवसर पर संस्था के सचिव ए.सी. साधवानी, स्कूल डायरेक्टर भगवान दामानी एवं संस्था की एकेडेमिक हेड जयश्री मूर्ति एवं कोऑर्डिनेटर्स व शिक्षिकायें उपस्थित थीं. प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी ने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों का स्वागत करते हुए बच्चों से कहा कि आज हमारे बीच श्रद्धेय संत सिद्धभाऊ आपको पुरस्कार देने आए हैं, इसलिए आपको उनकी बात ध्यान से सुननी है तथा माननी भी हैं। उन्होंने बताया कि इस स्कूल में सभी शिक्षिकायें बच्चों के साथ उनकी मां जैसा व्यवहार करती हैं. विद्यालय में कई प्रकार के खेल कूद के सामान, झूले, फिसलपट्टीयां आदि हैं जहां बच्चे खेल खेल में कई गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाई के साथ नई नई बातें सीखते हैं. अभी नए सत्र हेतु एडमिशन प्रारम्भ है. पालकों से निवेदन है कि वे शीघ्र प्रक्रिया पूर्ण करें. नई एडमिशन लेने वाले बच्चों को नि:शुल्क प्रीपेट्री क्लासेज में बुलाया जाता है. कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 350 बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर नन्हे मुंन्नों ने देशभक्तिपूर्ण गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किये. कार्यक्रम के अन्त में सभी बच्चों ने अपने प्रिय श्रद्धेय सिद्धभाऊ का आभार तालियां बजाकर व्यक्त किया ।

राज्य मंत्री परमार ने शाहपुर के स्कूलों में विद्यार्थियों से किया शैक्षणिक संवाद

भोपाल। स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार), सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इन्दर सिंह परमार ने प्रभार के जिले बैतूल प्रवास के दौरान आज शाहपुर के शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय एवं शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरबटपुर पहुँच कर विद्यार्थियों से शैक्षणिक संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न ज्ञानवर्धक जानकारियाँ दी। साथ ही उनके शैक्षणिक कैरियर पर भी चर्चा की। राज्य मंत्री परमार ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर अपना बेहतर भविष्य तैयार करें। उन्होंने बताया कि सरकार ने अंग्रेजी में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम अब हिन्दी भाषा में प्रारंभ किए हैं, जो विद्यार्थियों के लिए सुविधाजनक है। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सीएम राइज स्कूल भी प्रारंभ किए गए हैं। विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि वे सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ लें और अपना बेहतर भविष्य तैयार करें। इस दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्रीमती शिल्पा जैन, जिला शिक्षा अधिकारी अनिल सिंह कुशवाह, एसडीएम अनिल सोनी, डीपीसी संजीव श्रीवास्तव सहित जन-प्रतिनिधि एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

करीला मेला में श्रद्धालुओं की सुविधाओं का रखा जाए विशेष ध्यानः यादव

भोपाल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्यमंत्री बृजेंद्र सिंह यादव ने शुक्रवार को करीला धाम मंदिर परिसर, अशोकनगर के मीटिंग हॉल में करीला मेला की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आगामी रंगपंचमी पर 11 से 13 मार्च तक लगने वाले तीन दिवसीय करीला मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए व्यवस्थाएँ कराई जाएं। राज्यमंत्री यादव ने निर्देश दिए कि मेला मंदिर परिसर तथा मेला परिसर में शराब पूर्णतः प्रतिबंधित रखी जाए। उन्होंने कहा कि करीला माता मंदिर विशेष आस्था का केंद्र है, आस्था के साथ किसी भी असामाजिक तत्वो को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाए।

राज्यमंत्री यादव ने मेला व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए वालंटियर्स को अधिक से अधिक जोड़ने की बात कही। उन्होंने सफाई व्यवस्था, सड़क, वाहन पार्किंग, विद्युत आपूर्ति , सुरक्षा व्यवस्था और करीला मेला परिसर तथा परिक्रमा मार्ग में पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती आर उमामहेश्वरी ने तीन दिवसीय करीला मेला की तैयारियों के संबंध में अब तक की गयी कार्यवाहियों और आगामी व्यवस्थाओं तथा दिये गये निर्देशों की पूर्ति हेतु योजना की जानकारी दी। बैठक में मेला आयोजन की व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारी एवं करीला मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी उपस्थित थे।

शासकीय कार्यालयों में प्राथमिकता के साथ लगाए जाएंगे बिजली के स्मार्ट मीटर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

केंद्र और राज्य के लिए महत्वकांक्षी आरडीएसएस प्रोजेक्ट की सघन तैयारी करे। सूचना प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता सेवाओं और ऑटोमेशन के लिए भरपूर उपयोग किया जाए। शासकीय कार्यालयों में स्मार्ट मीटर प्राथमिकता से लगाने की भी तैयारी की जाए। प्रमुख सचिव ऊर्जा संजय दुबे ने ये निर्देश इंदौर में विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिए। श्री दुबे ने कहा कि समय पर बिल जारी करना और दिए गए बिल की मासिक लक्ष्य बनाकर वसूली करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दुबे ने विशेष रूप से इंदौर पश्चिम संभाग, बड़वाह, बुरहानपुर, इंदौर ग्रामीण संभाग, धार के अधिकारियों को लक्ष्यापूर्ति के लिए कठोर परिश्रम करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव श्री दुबे ने कहा कि आरडीएसएस योजना में फरफार्मेंस के आधार पर ही बिजली के आधारभूत नए कार्यों के लिए राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि ज्यादातर घरेलू उपभोक्ताओं को सब्सिडी मिलती है, ऐसे में शेष देययोग्य राशि की शत प्रतिशत वसूली करें। बुरहानपुर की कृषि पंप सर्वे योजना में अच्छा कार्य करने पर सराहना भी की। श्री दुबे ने इंदौर शहर, इंदौर ग्रामीण, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, धार, झाबुआ की बिलिंग दक्षता और राजस्व संग्रहण दक्षता की समीक्षा की और सभी अधीक्षण अभियंताओं को फरवरी, मार्च के राजस्व संग्रहण के लिए ज्यादा ध्यान देने के निर्देश दिए। श्री दुबे ने एरियर की वसूली और विजिलेंस टीम को सक्रियता के साथ मैदानी कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि हमें यह देखना होगा कि किस फीडर से कितनी बिजली जा रही है, बिलिंग कितने की हो रही है, राशि कितनी जमा हो रही है। जहाँ लॉस ज्यादा आ रहा है, वहाँ तुरंत संज्ञान लिया जाए। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक तोमर ने इस अवसर पर कहा कि प्रत्येक जिले में बिलिंग, राजस्व संग्रहण, लॉस घटाने के विशेष प्रयास आदि प्राथमिकता के साथ किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक रिंकेश कुमार वैश्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निर्माण कार्यों के साथ प्रस्तावित कार्यों की प्रक्रियाएं पूर्ण करें : निगमायुक्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त ने निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान भवन में चुनाई कार्य एवं आंतरिक विद्युत फिटिंग सहित अन्य कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने लिफ्ट एवं जी.ओ. थर्मल प्लांट स्थापित करने के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और इस संबंध में कनसल्टेंट के अभिमत अनुसार सभी आवश्यक कार्यवाहियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने शुक्रवार को निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण किया और भवन में प्रचलित कार्यों के साथ साथ चुनाई कार्य एवं आंतरिक विद्युत फिटिंग सहित अन्य कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने लिफ्ट एवं जी.ओ. थर्मल प्लांट स्थापित करने के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और इस संबंध में कनसल्टेंट के अभिमत अनुसार सभी आवश्यक कार्यवाहियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने निर्माणाधीन बाउंड्रीवाल एवं रिटर्निंग वाल का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने प्रस्तावित कार्यों के संबंध में समस्त प्रक्रियाएं पूर्व से ही पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने लिंक रोड नंबर 02 स्थित सेवा सदन के सामने मुख्य मार्ग पर निर्माणाधीन चेम्बर एवं रोड क्रास का निरीक्षण किया और सड़क के किनारे सीमेंट कांक्रीट कार्य एवं नाली तथा फुटपाथ की मरम्मत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त शाश्वत मीणा, मुख्य अभियंता पी.के.जैन एवं अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से मिलेंगे लाड़ली बहना योजना के आवेदन

पिछले सवा 2 साल में किसानों के खाते में अंतरित किए सवा 2 लाख करोड़ रुपए

मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान के 24 लाख 94 हजार से अधिक हितग्राहियों को स्वीकृति-पत्र वितरित

सिंगल क्लिक से 73 लाख किसानों के खाते में 1465 करोड़ की राशि अंतरित

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया 80 करोड़ 97 लाख के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बहनों के लिये शुरू की जा रही लाड़ली बहना योजना के आवेदन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से लेना प्रारंभ किये जायेंगे। योजना में गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवार की महिलाओं को प्रति माह एक-एक हजार रुपये की राशि उनके खाते में अंतरित की जायेगी। हितग्राहियों को चिन्हित करने के लिये गाँव-गाँव और वार्डों में जाकर आवेदन भरवाये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने महिलाओं से आहवान किया कि वे योजना में मिलने वाली राशि का उपयोग परिवार को मजबूत बनाने में करें। मुख्यमंत्री चौहान विदिशा में मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान में भोपाल, सागर और उज्जैन संभाग के 24 लाख 94 हजार से अधिक हितग्राहियों को स्वीकृति-पत्र का वितरण कर रहे थे। मुख्यमंत्री की चौहान ने प्रदेश के 73 लाख किसानों के खातों में मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना की राशि एक हजार 465 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से अंतरित की। साथ ही 80 करोड़ 95 लाख 21 हजार रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। कन्या-पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मैं अपनी बहनों की जिन्दगी को आसान बनाना चाहता हूँ। पूर्व से संचालित योजनाओं के साथ अब लाड़ली बहना योजना मेरी बहनों की जिन्दगी को सँवारेगी। योजना में मिलने वाली राशि से महिलाएँ अपने बच्चों के लिए दूध, फल और सब्जी की व्यवस्था कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार ने हमारी बहुत सी जन-कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया था, वे सभी योजनाएँ पुन: शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो कहीं नहीं हुआ वह मध्यप्रदेश में हुआ है और जो किसी ने नहीं किया वह आपका भाई शिवराज करेगा। मुख्यमंत्री की चौहान ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान से प्रदेश में 83 लाख ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित किया गया, जो शासकीय योजनाओं का लाभ लेने की पात्रता रखते हैं। इन सभी नागरिकों को 38 विभिन्न योजनाओं में लाभान्वित करने स्वीकृति-पत्र वितरण का कार्य प्रदेश में चल रहा है। आज भोपाल, सागर और उज्जैन संभाग के 24 लाख 94 हजार से अधिक हितग्राहियों को स्वीकृति-पत्र का वितरण हुआ। मुख्यमंत्री की चौहान ने कहा कि 5 फरवरी से प्रदेश में शुरू हो रही विकास यात्रा में भी छूटे हुए लोगों को योजनाओं से जोड़ने का काम किया जायेगा। हमारा संकल्प है कि कोई भी पात्र परिवार योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री की चौहान ने कहा कि हमारी सरकार किसान हितैषी सरकार हैं। पूर्व सरकार ने किसानों के साथ जो छल किया, उसे सुधार करते हुए हमने सरकार में आते ही फसल बीमा की राशि भरी और किसानों को फसल बीमा की राशि दिलाई। उन्होंने कहा कि पिछले सवा 2 साल में हमारी सरकार ने फसल बीमा, राहत राशि उद्यानिकी, सोलर पंप और बिजली सब्सिडी जैसी अनेक योजनाओं में 2 लाख 25 हजार 837 करोड़ रुपये किसानों के खाते में डाले हैं। यह सहयोग निरंतर जारी रहेगा। किसान परिवार के घर में अभी तक 6 हजार रूपये प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और 4 हजार रूपये मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना के प्राप्त हो रहे थे। अब इन किसान परिवारों को 12-12 हजार रूपये लाड़ली बहना योजना के भी मिलेंगे। इस प्रकार एक साल में किसान परिवार को 22 हजार रुपये वार्षिक मिलना शुरू होंगे। उन्होंने बताया कि लाड़ली बहना योजना में हर साल 12 हजार करोड़ रुपये और 5 साल में 60 हजार करोड़ रुपये व्यय किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री की चौहान ने कहा कि राज्य सरकार गरीबों के कल्याण और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिये अनेक योजनाएँ चला रही हैं। गरीब के लिए राशन, पढ़ाई, दवाई और आवास की व्यवस्था के लिये महायज्ञ किया जा रहा है। भू-माफियाओं से शासकीय जमीन छुड़वा कर गरीबों के आवास बनाये जा रहे हैं। आयुष्मान योजना में कार्डधारी परिवारों को एक साल में 5 लाख रुपये तक की उपचार सुविधा भी दी जा रही है। लाड़ली लक्ष्मियों और गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवार के प्रतिभाशाली बच्चों की उच्च शिक्षा की फीस भी राज्य सरकार द्वारा भरी जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एक लाख 14 हजार सरकारी नौकरी की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। शिक्षक वर्ग में महिलाओं को 50 प्रतिशत और पुलिस भर्ती में 30 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान रखा गया है। महिलाओं के लिए विशेष आरक्षण व्यवस्था होने से पंचायत एवं नगरीय निकायों में बड़ी संख्या में चुन कर आई महिला जन-प्रतिनिधि अच्छा कार्य कर रही हैं।

कार्यक्रम से वर्चुअल जुड़े केन्द्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रदेश विकास के मार्ग पर चल पड़ा है। मध्यप्रदेश की सरकार गाँव, गरीब और किसान को समर्पित है। मुख्यमंत्री चौहान ने हर गरीब के आँसू पोछने का कार्य किया है। हर गाँव में विकास की रोशनी पहुँचायी है। मध्यप्रदेश आज बीमारू राज्य नहीं बल्कि एक विकसित राज्य की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। विकास की इस गाथा में किसी एक व्यक्ति को श्रेय दिया जाना हो तो निस्संदेह उसका श्रेय मुख्यमंत्री चौहान को जाता है। उन्होंने कहा कि संवेदनशील मुख्यमंत्री चौहान ने गरीबी उन्मूलन, कुपोषण, गरीब बेटियों के विवाह और जिनका कोई नहीं है उनके लिये संबल जैसी अभूतपूर्व योजनाएँ बना कर और सफलता से क्रियान्वित कर जरूरतमंदों को लाभान्वित किया है। आज प्रदेश बिजली, पानी, सड़क के साथ जैविक खेती में भी अग्रणी है। विश्व के उद्योग?पतियों के लिये प्रदेश में सबसे अधिक अनुकूल माहौल है। मुख्यमंत्री के निवेश को बढ़ाने के प्रयास सराहनीय है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री चौहान का जन्म तो सीहोर जिले के जैत में हुआ है लेकिन उनकी आत्मा विदिशा में बसती है। विदिशा सहित अन्य क्षेत्रों के लोगों का जो प्यार और आशीर्वाद उन्हें मिला है, उसी से आज चौहान मध्यप्रदेश के सबसे लाड़ले और जनप्रिय नेता है। तोमर ने मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान की सफलता के लिये मुख्यमंत्री चौहान को बधाई और शुभकामनाएँ दी।

खजुराहो सांसद वी.डी. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री चौहान ने विकास के नए आयाम स्थापित किये हैं। उनके नेतृत्व में हर समाज को सशक्त और सक्षम बनाने का कार्य किया जा रहा है। एक समय था जब लोगों को योजनाओं का लाभ नहीं मिलता था। आज हमारी सरकार में व्यक्ति को घर-घर जाकर पूछा जा रहा है कि उन्हें लाभ मिला है या नहीं। इतना ही नहीं प्रत्येक पात्रताधारी हितग्राही को लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री चौहान के नेतृत्व में 83 लाख लोगों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कर उनके जीवन में बदलाव लाने का कार्य किया जा रहा है।

विदिशा सांसद रमाकांत भार्गव ने कहा कि प्रदेश के मुखिया और विदिशा के भैया मुख्यमंत्री चौहान ने विदिशा की दशा और दिशा बदलने का कार्य किया है। आज विदिशा में चारो ओर सभी क्षेत्र में विकास दिखाई दे रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाई जा रही जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में विधायक, जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

संत रविदास महाकुंभ को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में बैठक संपन्न

सागर में भव्यता के साथ होगा संत रविदास महाकुंभ: सुमित पचौरी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आगामी 8 फरवरी को सामाजिक समरसता के प्रकाश पुंज कर्मयोगी संत रविदास जी के अवतरण दिवस के अवसर पर संत रविदास महाकुंभ आयोजित किया जाएगा। सुमित पचौरी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 8 फरवरी को सागर में दिव्यता एवं भव्यता के साथ संपन्न होगा संत रविदास महाकुंभ। सागर में चौथी बार संत रविदास महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा शामिल होंगे। इस दिव्य एवं भव्य आयोजन में साधु संतों के समागम के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। महाकुंभ की तैयारियों एवं भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा लगातार तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी इस गौरव के साथ काम कर रही है कि सर्वाधिक सीटें हमारे पास है सबसे बड़ा संगठन हमारे पास है आज देश में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और तो और संकट की घड़ी में हमारे महापुरुषों पं. दीनदयाल उपाध्याय मान. अटल जी, कुशाभाऊ ठाकरे जी ने जो संकल्प लिए थे वह आज सभी पूरे हो रहे हैं। हमने संकल्प लिया था कि धारा 370 हटाएंगे,दो विधान, दो प्रधान,नहीं चलेंगे। हमने रामजन्म भूमि के संबंध में कहा था कि मंदिर वहीं बनाएंगे आज मंदिर बन रहा है। संकल्पों को पूरा करने वाली पार्टी आज भारतीय जनता पार्टी है उसी जोश के साथ हमें काम करना है। इस दौरान उपस्थित थे प्रदेश कार्यालय मंत्री राघवेंद्र शर्मा, महामंत्री नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, जिला उपाध्यक्ष शंकर मकोरिया,रामप्रसाद जी,महेश मकवाना, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष हरिओम आसोरी व जिला पदाधिकारी, जिले के मोर्चा के मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, अनुसूचित जाति मोर्चा जिला कार्यकारिणी और प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया उद्यमिता प्रतियोगिता में उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान ने छठा स्थान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के इनक्यूबेशन सेंटर एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल 'उद्गम' के 22 छात्रों एवं 2 फैकल्टी एडवाइज़र ने आई.आई.टी., बॉम्बे के ई-समिट एवं नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप चैलेंज में भागीदारी दी नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप चैलेंज प्रतियोगिता 6 महीने चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें ई-सेल आई.आई.टी., बॉम्बे, विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के टास्क देता है जो की विद्यार्थियों के लिए उद्यमिता के क्षेत्र में प्रेरणादायी सिद्ध हो सकता है।

प्रतियोगिता के प्रारंभ में 900 से अधिक टीमें शामिल रहीं। बेसिक ट्रैक में 350 टीमों ने सहभागिता दी, जिसमें उद्गम टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर छठवी रैंक प्राप्त की। संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर चुनौती का हिस्सा बनने का सुनहरा अवसर प्रदान किया। 'उद्गम' इनक्युबेशन सेंटर की नोडल ऑफिसर डॉ. निधि चौहान एवं ई-सेल के सदस्य डॉ.आलोक कुमार रस्तोगी, डॉ. सुनील मिश्रा, डॉ. रंजना वर्मा, डॉ. रामकृष्ण श्रीवास्तव, डॉ. स्मिता जैन, डॉ. अमित जैन के मार्गदर्शन में विभिन्न टास्क पूरे किए।

इस प्रतियोगिता में कई प्रकार के टास्क दिये गये जैसे अपने संस्थान के ई-सेल का उद्देश्य, विजन एवं मिशन बनाना, उसके लिए एक टीम खड़ी करना, ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित करना, सोशल मीडिया पेज बनाना, संस्थान के बच्चों को एंटरप्रेन्योरशिप के बारे में बताना, संस्थान में वर्कशॉप एवं इवेंट कंडक्ट करवाना और यूरेका के तहत बच्चों के स्टार्टअप आइडिया को बढ़ावा देना आदि टास्क शामिल थे। यह कार्यक्रम जनवरी के आखिरी सप्ताह में आई.आई.टी., बॉम्बे में आयोजित किया गया, जिसमें कई कंपनियों के फाउंडर्स जैसे अशनीर ग्रोवर (फाउंडर भारतपे), प्रियंका खीमानी (फाउंडर खेमानी एंड एसोसिएट्स), ललित केशरे (फाउंडर, ग्रो), आर्यमन विक्रम बिरला (फाउंडर, आदित्य बिरला वेंचर्स), कैवल्या वोहरा (फाउंडर, जेप्टो) और विभिन्न प्रसिद्ध वक्ता जैसे अंकित मछार (डायरेक्टर, वाधवानी फाऊंडेशन) जया किशोरी (स्पिरिचुअल वक्ता) , बरखा दत्त (पत्रकार) , अमन धत्तरवाल (एजुकेशनल यूट्यूबर) , गौरव चौधरी (टेक्निकल यूट्यूबर) , श्रुति हसन (अभिनेत्री) एवं अन्य वक्ता भी शामिल रहे।

संस्थान के संचालक ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आई.आई.टी, बॉम्बे द्वारा आयोजित प्रतियोगिता ई-सम्मिट 23, जो कि एशिया का सबसे बड़ा बिजनेस कार्यक्रम माना जाता है, में भाग लेना उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए अपना स्टार्टअप शुरू करने में मददगार सिद्ध हो सकेगा। प्रतियोगिता के अंतिम चरण में डॉ. राम मिलन सिंह एवं सुश्री सारांशा माथुर फैकल्टी एडवाइज़र के रूप में छात्रों के साथ आई.आई.टी बॉम्बे में उपस्थित रहे।

केंद्रीय बजट के बाद अब प्रदेश का बजट भी मध्यमवर्गीय की तोड़ेगा कमर: सक्सेना

भोपाल। मप्र राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रांतीय संयोजक एमके सक्सेना का कहना है कि मोदी-सरकार के केंद्रीय बजट-23 मिडिल क्लास जनता के लिए ठीक नहीं है।आने वाला मप्र शिवराज-सरकार का बजट-23 और और लोगों पर भारी पड़ेगा,क्योंकि किसी का फोकस,जनहित प्रमुख 18मुद्दों के क्रियांन्वयन आदेश जारी करने पर नहीं है,जिससे कि जनता परेशान है,लुट रही है,कैसे मिलेगी जनता को,राहत,सवालिया प्रश्न लगाता है ?उधर विपक्ष कांग्रेस का जनता से जुड़े जनहित प्रमुख 18मुद्दों के किरियांवन पर,फोकस क्यों नहीं है, केंद्र ने अपने कर्मचारीओं एवं पेंशनर्स को घोषित तिथि से एरियर्स के साथ 38ब्रडीए दिया है,मप्रसरकार ने अपने कर्मचारियों को 38 प्रतिशत डीए,पेंशनर्स को 33 प्रतिशत डीए दिया है,वो भी केंद्रीय घोषित तिथि से नहीं,केंद्र के समान ,केंद्रीय तिथि से,डीए भुगतान क्यों नहीं,भेद-भाव क्यों है,पेंशनर्स को डीए देने मैं,छत्तीसगड़ सहमति अर्थात धारा-49 का अड़ंगा क्यों है,इसे समाप्त क्यों नहीं किया जा रहा है? पेंशनर्स को बकाया 5 प्रतिशत डीए क्यों नहीं दिया जा रहा है,जिससे कर्मचारियों के बराबर उनका डीए भी 38 प्रतिशत हो सके? दूसरे आईएएस, आईपीएस, आईएफ़एस, कर्मचारीओं को, मप्र के बजट से, केंद्रीय तिथि से,डीए का पूरा भुगतान होता है,तो फिर मप्र के पेंशनर्स को,मप्र के बजट से, केंद्रीय घोषित तिथि से,पूरे डीए का भुगतान,क्यों नहीं किया जाता है, केंद्र घोषित तिथि से मप्र के पेंशनर्स को बकाया 5 प्रतिशत डीए का तत्काल भुगतान किया जाय ? शवराज सिंह चौहान, बुलडोजर-मामा की कार्यवाही केवल दंगाइयों/ माफियाइयों पर ही क्यों,स्कूल शिक्षा,वत्त विभाग पर क्यों नहीं,जहां तीन हजार सेवानिब्रत स्कूली व्याख्याताओं को 2017 से मिले दितिय समयमान वेतनमान मैं,पे-फिक्सेशन से, पूर्व से मिल रहे वेतन से,कम वेतन मिलने की गड़बड़ी,केबिनेट मीटिंग से,ग्रेड-पे रूपय5400 के स्थान पर रूपय6600 कर एवं नोशनल पे-फिक्सेशन देकर,छे वर्ष मैं अब तक क्यों दूर नहीं की गई है।

एम्स में नगर निगम ने फायर ड्रिल का आयोजन किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल ऑडिटोरियम में भोपाल नगर निगम, फायर ब्रिगेड के साथ परिसर में फायर ड्रिल का आयोजन किया गया । ड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में अग्नि सुरक्षा उपायों और निकासी प्रक्रियाओं पर कर्मचारियों, शिक्षकों और निवासी छात्रों को शिक्षित करना था ।

ड्रिल में एक आग आपातकालीन परिदृश्य का अनुकरण करते हुए आग अलार्म की सक्रियता और इमारत को खाली करना शामिल था । प्रतिभागियों को इस बात का प्रशिक्षण दिया गया कि इमारत को सुरक्षित तरीके से कैसे खाली किया जाए और निर्धारित स्थल तक कैसे पहुंचा जाए । इस ड्रिल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि हर कोई अग्नि सुरक्षा उपायों से अवगत हो सके और वास्तविक आपात स्थिति के मामले में जल्दी और कुशलता से कार्य कर सके । यह ड्रिल वर्तमान अग्नि सुरक्षा उपायों में किसी भी कमियों की पहचान करने में मदद करेगी और आवश्यक सुधार करने का अवसर प्रदान करेगी । स्टाफ, फैकल्टी और निवासी छात्रों ने इस ड्रिल में सक्रिय रूप से भाग लिया और आग लगने की स्थिति में उठाए जाने वाले महत्वपूर्ण कदमों के बारे में सीखा । छात्रों और शिक्षकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के कारण ड्रिल सफल रही ।कार्यपालक निदेशक प्रो (डॉ.) अजय सिंह ने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह ड्रिल एम्स भोपाल में एक सुरक्षित और अधिक तैयार उपाय बनाने में मदद करेगी ।

हैंड्स ऑन कैडेवरिक कार्यशाला आयोजित

एम्स में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग और शरीर रचना विज्ञान विभाग द्वारा एक हैंड्स ऑन कैडेवरिक कार्यशाला आयोजित की गई । मेडिकल कॉलेजों से 30 स्त्री रोग विशेषज्ञ और राज्य भर से और बाहर के चिकित्सकों ने कार्यशाला में भाग लिया । शल्य चिकित्सा कौशल में वृद्धि के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञों के बीच कैडवेरिक वर्कशॉप की बहुत मांग है । कार्यशाला पूर्व विचार-विमर्श द्वारा भाग लेने वाले प्रतिनिधियों की अपेक्षाओं के अनुसार कार्यशाला तैयार की गई थी । कार्यशाला का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर डॉ. अजय सिंह ने किया । उन्होंने इस तरह की कार्यशालाओं की आवश्यकता पर जोर दिया और आश्वासन दिया कि एम्स भोपाल चिकित्सा पेशेवरों के लिए इस तरह की और कार्यशालाएं आयोजित करता रहेगा । कार्यशाला में कैडेवरिक विच्छेदन का लाइव प्रदर्शन किया गया, जिसके बाद भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए अभ्यास सत्र भी आयोजित किया गया । प्रतिनिधियों ने कार्यशाला की सराहना की और भविष्य में ऐसी कार्यशालाओं की आवश्यकता व्यक्त की । समापन समारोह की अध्यक्षता डीन (एकेडमिक्स) प्रोफेसर डॉ. राजेश मल्लिक ने की । उन्होंने विशेष रूप से कार्यशाला में भाग लेने वाले वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ की उत्साही भागीदारी की सराहना की ।

कैंसर के निदान, मिथक, व्यवहार्यता और नुकसान पर सीएमई आयोजित

एम्स के सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग द्वारा ईएनटी विभाग के सहयोग से शुक्रवार को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर %सामान्य कैंसर की जांच- मिथक, व्यवहार्यता और नुकसान% पर सीएमई का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के कार्यपालक निदेशक प्रो (डॉ) अजय सिंह, चिकित्सा अधीक्षक (डॉ) मनीषा श्रीवास्तव, सीएफएम के प्राध्यापक (डॉ) राजकुमार पाटिल तथा संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों की उपस्थिति में किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सीएफएम विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजकुमार पाटिल के स्वागत भाषण से हुई । इसके बाद एम्स भोपाल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने कैंसर चिकित्सा में एम्स भोपाल की तैयारियों की जानकारी साझा की । तत्पश्चात कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह ने एम्स भोपाल में कैंसर की की चिकित्सा के बारे में संस्थान की भावी योजनाओं से श्रोताओं को बताया । उन्होंने सीएफएम विभाग को कैंसर चिकित्सा देखभाल में सुधार के लिए सभी संबंधित विभागों को शामिल करते हुए एक बहु-विषयक कैंसर जागरूकता-जांच योजना विकसित करने का निर्देश दिया । उन्होंने राज्य में कैंसर के लिए स्थानीय जोखिम कारकों का पता लगाने के लिए अनुसंधान करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया ।

स म्पा द की य

आटे-दाल नहीं, आटे-दूध का भाव

हमारे यहां ग्रहस्थ जीवन में प्रवेश करने के लिए एक कहावत है, आपको आटे-दाल का भाव पता चल जाएगा। लेकिन बजट में तमाम कथित रियायतों के बावजूद आटे दाल का भाव तो कम होता दिख ही नहीं रहा है, दूध के भाव भी धीरे- धीरे सोने के माफिक चढ़ते जा रहे हैं। अब तो ये कहा जाने लगा है कि जो महंगाई की बात नहीं करते, उन्हें क्या मालूम आटे-दूध का भाव?

इधर दुनिया में नंबर दो पर पहुंच कर वापस नीचे की आ रहे अडाणी की मुसीबत किसी राष्ट्रीय आपदा जैसी लग रही है, उधर देश में सबसे ज्यादा विश्वसनीय दुग्ध ब्रांड अमूल का फुलक्रीम दूध तीन रूपये लीटर मंहगा कर दिया गया। मध्यप्रदेश की बात करें तो यहां शहरों में सबसे ज्यादा उपयोग दुग्ध संघ के सांची ब्रांड का होता आया है। उसने पहले ही अपने दूध की कीमतों में वृद्धि कर दी। बल्कि कहा जाए कि लगातार वृद्धि की, फिर अमूल ने भी दाम बढ़ा दिए। देश के तमाम महानगरों में रहने वाले अधिकाँश परिवार दुग्ध के स्थानीय ब्रांडों के बाद अमूल के दूध और दूसरे उत्पादों को पसंद करते हैं। अमूल का दूध माँ के दूध जैसा तो बिलकुल नहीं होता लेकिन माँ के दूध से कुछ कम भी नहीं होता. कुपोषण के शिकार मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए तो अमूल का दूध ही अमृत जैसा माना जाता रहा है। घरों में भी और अस्पतालों में भी।

एक वरिष्ठ पत्रकार तो अमूल के दाम बढ़ने पर यहां तक कहने लगे कि उन्हें आयकर की सीमा में 50 हजार रूपये के इजाफे की जितनी खुशी नहीं हुई, उससे कहीं ज्यादा दु:ख अमूल दूध के तीन रूपये लीटर मंहगे होने का हुआ। उनका कहना था- मैं बढ़ी हुई आयकर छूट का लाभ नहीं ले सकता, क्योंकि मेरी आमदनी न पहले ढाई लाख सालाना थी और न इस साल तीन लाख सालाना होने वाली थी, लेकिन अमूल का दूध मुझे कल भी उपयोगी लगता था और आज भी जरूरी लगता है और इसे ही मंहगा कर दिया गया है।

सब जानते हैं कि अमूल भारत का एक दुग्ध सहकारी आन्दोलन है. अमूल की जड़-मूल आणंद (गुजरात) में है। मैं गर्व भी महसूस करता हूँ कि यह एक ऐसा विश्वसनीय भारतीय ब्रांड है जो अपने कामयाबी कि मूल में सहकारिता को जोड़े हयात है.अमूल को गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड नाम की सहकारी संस्था बनाती है। गुजरात के करीब 26 लाख दुग्ध उत्पाद दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड के अंशधारी हैं। देश में श्वेत क्रान्ति के जनक जाने वाले वर्गीज कुरियन की आत्मा भी मुमकिन है कि इस मूल्य वृद्धि से खुश न हो लेकिन वे भी होते तो कुछ न कर पाते. अनमोल चीज सस्ते में मिलना ही नहीं चाहिए. देश में अमूल की उत्पादों की खपत को लेकर कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, लेकिन दु:ख की बात ये है की ये मूल्य वृद्धि गुजरात पर लागू नहीं होगी।

खैर, अब दूध के साथ आटे और दाल की बात भी कर लेते हैं। मीडिया और अखबार जगत महंगाई कम होने के दावों की खबरों को प्रमुखता से दे रहे हैं, लेकिन दुकान पर जाओ तो पता चलता है कि इन खबरों में दम नहीं। किसी को खुश करने भर के लिए ही खबरें आ रही हैं। बाकी जो आटा आप पिछली बार एक सौ सत्तर रुपए का पांच किलो लेकर गए थे, उसके अब आपको एक सौ अस्सी रुपए देने हैं। दूसरे ब्रांड के एक सौ नब्बे हैं। और बताएं, दो सौ से ऊपर वाले ब्रांड भी हैं। आप तो ये कम वाला ले जाओ। और वो कम वाला भी दो हफ्ते बाद ही दो रुपए प्रति किलो के हिसाब से बढ़ गया। शायद ये बात वित्त मंत्रीजी या सरकार के पास तक नहीं पहुंच पातीं। शायद, उनके दावे को ये दुकान वाले मान नहीं रहे, या वे अनजान हैं। वो तो सीधे कहते हैं, उन्हें बढ़कर मिलता है तो वे भी बढ़ाकर ही तो बेचेंगे।

दाल के भावों की बात तो पहले भी बहुत हो चुकी है। दालों और खाद्य तेल की कीमतों में कमी आने की उम्मीद ही करना व्यर्थ हैं। ये वायदा बाजार से लेकर बहुत बड़े कारोबारियों के नेक्सस का मामला है, जिसे आम आदमी न तो समझ पाया है और उसके समझने का कोई मतलब भी नहीं निकलता। इसलिए दूध पर वापस आते हैं। मध्यप्रदेश दुग्ध संघ का सांची दूध तीन दिन पहले ही दो रुपए ज्यादा का था, अब अमूल ने भी उसकी बराबरी कर ली। अमूल ने एक किलो पर तीन रुपए बढ़ाए हैं। उनके लिए मात्र तीन रुपए प्रति किलो है, लेकिन जो खरीदते हैं, उनके बजट में हर चीज की कीमतों में वृद्धि का ये दौर उनके खर्च के दायरे को बढ़ाता ही चला जा रहा है। फर्क कई लोगों को नहीं पड़ता होगा। उनके लिए ये मामूली है। उन्हें पड़ता है, जो अधिक मेहनत करके कम कमा पाते हैं। उन्हें पड़ता है, जिनकी कोविड ने नौकरी छीन ली। उन्हें पड़ता है, जिनके वेतन आधे हो गए। उन्हें पड़ता है, जो 95 प्रतिशत आबादी का हिस्सा हैं। बाकी पांच प्रतिशत ने तो कोविड में भी कमाई का आसमान छुआ है। जय हिंद।

अपनी भाषा अपना विज्ञान

सोचा और कर दिया, मस्तिष्क : कंप्यूटर का अंतरफलक

डॉ अपूर्व पौराणिक

वर्ष 2004 में, नाथन कॉप्लेंड 18 वर्ष का युवक था जब एक मोटरसाइकिल दुर्घटना में उसकी गर्दन की रीढ़ की हड्डी टूट गई। उसके अंदर स्थित स्पाइनल कॉर्ड (मेरु रज्जु) क्षतिग्रस्त होने से उसके चारों हाथ पांव निशक्त हो गए। दिन-रात बिस्तर पर पड़ा रहता था। मल-मूत्र पर नियंत्रण नहीं था। छाती के नीचे और हाथ की उंगलियों से लेकर कोहनियों तक कहीं भी छुओ, दबाओ, चुभाओ, जलाओ, कुछ पता नहीं पड़ता था। नाथन हिम्मतवाला था। खूब मेहनत से फिजियोथेरेपी करता था। बैठना सीख गया था। एक हाथ में थोड़ी शक्ति और संवेदनाएं लौट आए थे। छह वर्ष बाद (2010 में) उसे पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय की एक रिसर्च लैब से फोन आया क्या आप हमारे एक शोध अध्ययन में शरीक होना चाहेंगे? नाथन कॉप्लेंड ने उत्साह और खुशी से भर कर तुरंत हां कर दी। अपनी स्थिति के बारे में इंटरनेट, पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं में पढ़ पढ़ कर उसे मालूम था कि इस शोध में शामिल हो पाने की कसौटियां बहुत सीमित और सख्त है।

न्यूरो विज्ञान की इस शाखा का नाम है मस्तिष्क कंप्यूटर अंतरफलक। वह स्थल जहां दो भिन्न, प्रथक, स्वतंत्र प्रणालियां एक दूसरे से संपर्क में आती है, उनके मध्य संवाद होता है, सूचना का आदान प्रदान होता है और वे दोनों एक दूसरे को प्रभावित करती हैं। ब्रेन कंप्यूटर इंटरफ़ेस की सिद्धान्तिक अवधारणा 50 वर्ष पुरानी है। अभी सीमित परिणाम मिले हैं। सबसे जाना पहचाना और सफल उदाहरण है बहरे लोगों के लिए आंतरिक कान में काक्लियर इंप्लांट जिसके बूते पर बाह्य कान में प्रवेश करने वाली ध्वनि तरंगे, क्षतिग्रस्त काक्लिया को बायपास करके दिमाग तक पहुंचकर सुनने की क्षमता को काफी हद तक पुनर्स्थापित कर पाती है।

नाथन कॉप्लेन के दिमाग का ऑपरेशन हुआ। खोपड़ी की हड्डी खोलकर मस्तिष्क के फ्रांटल खंड की मोटर गायरस और पेराइटल खंड की सेंसरी गायरस में बारिक बारिक सुइयों वाले चार इलेक्ट्रोड संकुल, वहां के नरम पिलपिले गूदे में धंसा दिए गए। हड्डियां फिर से रख दीं। एक छेद से तार बाहर निकालकर रोबोट मशीन से जोड़ दिए गए जिसका आकार प्रकार एक भुजा(श्च्श्च्द्दह्व ख्द्वद्ध) के समान था। रोबोटिक भुजा में कंधा, कोहनी, कलाई, अंगूठा, उंगलियों के जोड़ थे जिन्हें बिजली से चलाया जा सकता था। ब्रेन में घुसाए गए विद्युतोद उस इलाके की विद्युतीय गतिविधि को कैप्चर करने के काबिल थे।

कैसी बिजली: बहुत महीन, बहुत बारीक, अत्यंत सूक्ष्म, एक एंपियर के कुछ हजारवे हिस्से के बराबर(मिली एम्पियर), एक वोल्ट के कुछ हजारवें हिस्से के बराबर(माइक्रो वोल्ट)। अत्यंत लघु अवधि में बंद चालू होने वाली- एक सेकंड के कुछ हजारवें हिस्से के बराबर (मिली सेकंड)।

कहां से पैदा होती है: एक एक न्यूरॉन कोशिका से। कोशिकाओं के समूह से (न्यूरल नेटवर्क से) दिमाग के चप्पे-चप्पे में सतत प्रवाहमान, लगातार सुलगने वाली इलेक्ट्रिकल करंट यूं ही बेतरतीब नहीं बनती। उसके बहने में लय है, पैटर्न है, संगीत है, संदेश है, कूट भाषा है, कोड वर्ड है।

नाथन के ब्रेन के जिस भाग में इलेक्ट्रोड ठूंसा गया था, वहां से हाथ की गति को अंजाम देने वाले आदेश निकलते हैं। यदि मिस्टर कॉप्लेंड ने सोचा (अपनी तथाकथित स्वतंत्र इच्छा को जागृत किया) कि मुझे अपने दाहिने हाथ की मुट्ठी बांधना है तो फ्रांटल खंड के मोटर-उभार (गायरस) में मौजूद लाखों न्यूरॉन कोशिकाओं और उन्हें आपस में जोड़ने वाले तंतु जाल में विद्युतीय आवेगों की एक सिंफनी प्रकट होने लगेगी, एक राग बजने लगेगा, सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन का एक प्रोग्राम एक्टिवेट हो जावेगा। दुर्घटना के पहले नाथन के मस्तिष्क से यह कमांड (आदेश) उसकी भुजा तक पहुंच कर तत्काल मुट्ठी बनवा देता। सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर अभी भी ठीक है। परंतु उसे डेस्टिनेशन (लक्ष्य ङ्क हाथ की मुट्ठी) तक पहुंचाने वाला हाईवे टूट चुका है और ठीक नहीं हो सकता।

प्रयोगशाला में नाथन को क्या करना था? उसे बस सोचना था और कल्पना करनी थी- मैं अपनी मुट्ठी बंद कर रहा हूं, मैं मुट्ठी खोल रहा हूं, मैं हाथ में काफी का मग पकड़ कर उसे होठों की दिशा में ला रहा हूं, मैं एक पेन पकड़कर, कागज पर लिखने का उपक्रम कर रहा हूं।

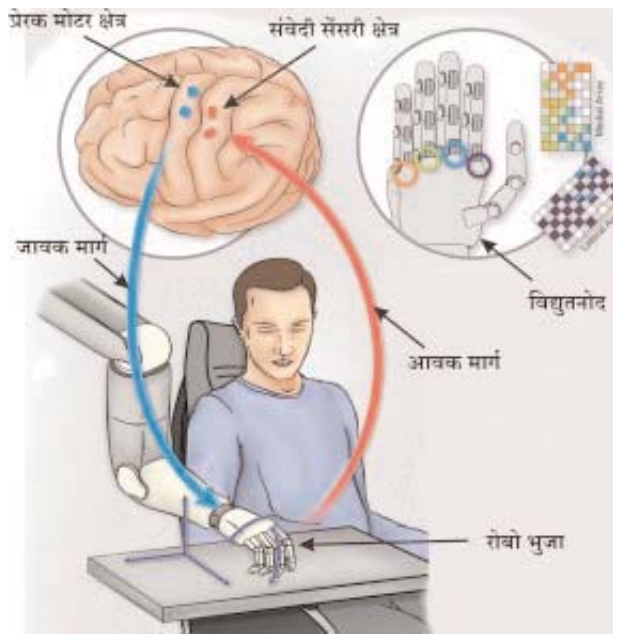

और देखते ही देखते चमत्कार। कुछ ही दिनों के अभ्यास में वह रोबोट भुजा से इच्छित गतियां करवाने लग गया। सोचते समय, इच्छा करते समय, कल्पना करते समय, मस्तिष्क के उक्त छोटे से भूभाग में जो तरंगे बनी वे केबल के माध्यम से रोबोट-भुजा को चलायमान कर गई।

अभी एक और चमत्कार होना था। नाथन की आंख पर पट्टी बांध दी गई। रोबोट भुजा की उंगलियों, कलाई, कोहनी को अलग-अलग बिंदुओं पर हौले से एक-एक सेकेंड के लिए छुआ गया। नाथन ने फटाफट पहचान लिया- अभी यहां छुआ, अभी वहां छुआ। उसे लग रहा था कि मानो उसी के हाथ पर जगह-जगह छुआ जा रहा हो। जबकि वास्तव में ऐसा संभव नहीं था। हमारे दफ्तरों में आवक और जावक विभाग होते हैं। वैसे ही ब्रेन में सेंसरी (संवेदी) और मोटर (प्रेरक) प्रणालियां होती है। किसी गति या क्रिया को अंजाम देने के लिए मोटर-आदेश का संचार पर्याप्त नहीं है। लगातार फीडबैक जरूरी है। संवेदी सूचनाएं पल पल पर प्रतिपुष्टि देती है कि आदेशित और इच्छित गति सही-सही हो रही है या नहीं। लगातार सुधार होते रहते हैं। कोर्स करेक्शन जरूरी होते हैं। सेंसरी फीडबैक के प्रशिक्षण के बाद नाथन के द्वारा रोबोटिक-भुजा की जटिल गतियों में तेज सुधार हुआ।

पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी की बायोमेडिकल इंजीनियर जेनिफर कोलिंगर ने बताया कि ङ्क यूं तो आंखों से भी देखा जा सकता है कि, कैसे-कैसे कितना मूवमेंट हो रहा है, लेकिन दैनिक कामकाज में हर समय आँखे गड़ा कर घूरते नहीं रह सकते। अधिकांश काम बिना देखे होते रहते हैं। हमारे अंगों के कोने कोने में अदृश्य आंखें बिछी रहती है जिनके बूते पर हम आंख बंद रखकर बता सकते हैं कि अभी इस क्षण मेरे दाएं हाथ में कलम है, बायाँ हाथ टेबल पर रखा है, दायाँ पंजा नीचे और अंदर की ओर मुड़ा हुआ है, बाया घुटना मोड़कर कुर्सी पर रखा है, आदि आदि।

क्ष्ट्ठ के नए मॉडल्स में मोटर और सेंसरी की जुगलबंदी पर अच्छा काम हो रहा है। यह रिसर्च महंगी है, धीमी है, धैर्य और परिश्रम मांगती है। आला दर्जे के दिमाग को टीम बनकर काम करना पड़ता है। इतना सब करने के बाद भी वह बात कहां, जो एक इंसानी हाथ में होती है ङ्क वह हाथ जो तबला बजाता है, उपन्यास लिखता है, स्वादिष्ट भोजन बनाता है, मूर्तियाँ तराशता है, क्रिकेट में कवर ड्राइव घुमाता है, हाकी में रीवर्स क्लिक चमकाता है। नाथन जैसे मरीजों के लिए अगली पायदान है- रोबोट भुजा के स्थान पर स्वयं की भुजा को चलायमान करवाना। मस्तिष्क से निकलने वाली केबल्स को लकवाग्रस्त और में मौजूद नाड़ियों और मांस पेशियों से जोड़ना।

ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस की एक से बढ़कर एक रोचक और चमत्कारी कहानियां पढ़ने को मिल रही है। जैसे कि (1) आंख का पर्दा खराब होने की दशा में कृत्रिम रेटिना और इंप्लांटेड ऑप्टिक नर्व द्वारा कुछ कुछ (धुंधला सा ही सही) देख पाना, (2) जो कहना चाहते हो वह कंप्यूटर के स्पीकर द्वारा बुलवा पाना, (3) शतरंज या ताश के गेम कम्प्युटर के माऊस या की बोर्ड को छूए बिना, सिर्फ सोच कर खेल पाना।

प्रगति इतनी धीमी क्यों है? विभिन्न गतिविधियों के लिए ब्रेन में बनने वाले सिगनल्स के पैटर्न को पहचान पाना बहुत जटिल है। मस्तिष्क में इंप्लांट्स किए गए इलेक्ट्रोड को वहां का टिशु, फोरेनर या विदेशी मानता है, प्रतिक्रिया करता है, इंफेक्शन हो जाता है। विद्युतोद के सिरे (जहां से विद्युतीय गतिविधि को कैप्चर किया जाता है) उतने सक्षम नहीं होते जितने की ब्रेन की न्यूरॉनकोशिकाएं।

मेटेलिक मैकेनिकल इलेक्ट्रोड की जगह यदि बायोलाजिकल टिशु से बने विद्युतोद हो तों बेहतर होगा। जैसे हृदय में प्रत्यारोपित किए जाने वाले वाल्व मेकेनिकल के अलावा बायोलॉजिकल भी मिलते हैं, वैसा ही कुछ नर्वस सिस्टम में भी होना चाहिए।

(अपनी भाषा-अपना विज्ञान के अगले अंक में हम इसी वार्ता को आगे बढ़ाएंगे)

मध्यप्रदेश : चुनाव से पहले एक ज़रूरी बात

राकेश दुबे

मध्यप्रदेश विधानसभा का अंतिम सत्र नज़दीक है, साल के अंत में विधानसभा चुनाव होंगे। पिछले विधान सभा चुनाव उसके परिणाम और सत्ता परिवर्तन का खेल किसी से छिपा नहीं है। प्रदेश के नागरिक संसदीय लोकतंत्र के खेल के नए दांव-पेंच देखेंगे। भारत की अनुभवजन्य वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए संविधान सभा में यह फैसला लिया गया था कि संसदीय लोकतंत्र ही देश का शासन चलाने के लिए सबसे उपयुक्त होगा। तमाम जांच-परख और उतार-चढ़ाव के बावजूद उनकी बुद्धिमत्ता तो खरी उतरी,लेकिन समय बीतने के साथ ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में कई विचलन और चुनौतियां भी देखी गई हैं। इसमें कई दोष घुस चुके हैं। इनमें सबसे खराब दोष सत्ता और पैसों के लालच में दल-बदल करना है।

दुर्भाग्य से कुछ वर्षों से हमारा लोकतंत्र केवल चुनावों तक ही सीमित कर दिया गया। समय-समय पर चुनाव कराना, उनमें जीत या हार, एक लोकतांत्रिक देश होने के हमारे दावे को स्वीकार्य नहीं कर सकता है। इसमें और भी बहुत कुछ है। अपना प्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया जातिवाद, सांप्रदायिकता, धन और बाहुबल जैसे कई कारकों से खराब हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति लोगों को निष्पक्ष रूप से सही और स्वतंत्र विकल्प चुनने में अक्षम बनाती है।

इन समस्याओं के अलावा, सबसे बुरी बीमारी जो हमारे लोकतंत्र में घर कर गई है, वह है राजनीतिक दल-बदल, मध्यप्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव के बाद का घटनाक्रम अद्वतीय था। लोकतांत्रिक प्रणाली का मूल सिद्धांत है कि निर्वाचित प्रतिनिधि को प्रमुख रूप से अपने मतदाताओं के प्रति जवाबदेह और अपने राजनीतिक दल के प्रति वफादार होना चाहिए। व्यक्ति उस वक्त सच्चा प्रतिनिधि नहीं रह जाता जब वह अपनी पसंद या लाभ के अनुसार लोगों की इच्छा और भावना के विपरीत कार्य करता है। यह आचरण लोकतंत्र को दूषित कर देता है।

राजनीतिक पंडितों के अनुसार राजनीतिक दल-बदल दो प्रकार के होते हैं- एक जनता से और दूसरा दल से। दोनों ही मामलों में यह जनादेश के साथ विश्वासघात और राजनीतिक व्यवस्था का विध्वंस है। कोई भी व्यक्ति या कोई पार्टी अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने के वादे के साथ चुनाव लड़ती है और दूसरे दलों के सामने सार्वजनिक रूप से अपनी स्थिति बताती है। लोग उसकी नीतियों और जनता से किए गए वादों के आधार पर अपनी पसंद बनाते हैं। फिर यदि निर्दलीय निर्वाचित प्रतिनिधि या किसी दल का सदस्य जनता के जनादेश के विपरीत व्यवहार करता है तो यह केवल राजनीतिक दल-बदल ही नहीं है, राजनीतिक धोखा भी है। ऐसी स्थिति में जनता खुद को ठगा महसूस करती है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से इस विश्वासघात की कोई सजा नहीं होती। इस प्रकार का दल-बदल सदन के बाहर होता है।साम, दाम,दंड और भेद के साथ।

हालांकि प्रतिनिधि सदनों में राजनीतिक दलों के दल-बदल को रोकने के लिए एक कानूनी ढांचा मौजूद है। बावजूद इसके, स्वार्थी लोग इसकी खामियों का फायदा उठाते हैं और एक राजनीतिक दल के दो-तिहाई से अधिक सदस्य थोक में दलबदल कर लेते हैं। चुने हुए प्रतिनिधियों को सरकार बनाने या गिराने के लिए पाला बदलने पर सत्ता और पैसों का लालच दिया जाता है। इस प्रकार का हथकंडा जनादेश को अर्थहीन बना देता है। यह देश में लोकतंत्र के स्थायित्व के लिए शुभ संकेत नहीं कहा जा सकता।

इस राजनीतिक बीमारी से निपटने के लिए गंभीरता से कोई विचार न तो किया गया और न ही किया जा रहा है। इस गिरावट को रोकने के लिए कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति भी प्रदर्शित नहीं होती दिख रही है। अब तो किसी भी हाल में चुनाव जीतना और सरकार बनाना जुनून के स्तर तक पहुंच गया है। राजनीतिक प्रक्रिया में आ चुकी यह विकृति रोकने को कठोर उपाय किए जाने की जरूरत है। निर्वाचित प्रतिनिधियों के कदाचार का मुकाबला करने के लिए मतदाताओं द्वारा 'राइट टू रिकॉल' के उपाय पर विचार किया गया और बहस हुई, पर नतीजा सिरे नहीं चढ़ा।

निर्वाचित प्रतिनिधियों में दल-बदल की बढ़ती प्रवृत्ति रोकने का एकमात्र तरीका वर्तमान दल-बदल विरोधी अधिनियम को खत्म कर एक सरल और एकल प्रावधान के साथ इसे बदलना प्रतीत होता है। 卐यदि कोई आजाद या पार्टी का सदस्य निर्वाचित होता है और चाहे किसी भी इरादे या कारण से किसी अन्य पार्टी में शामिल होने के लिए इस्तीफा दे देता है, तो उसे उस कार्यकाल में सदन में फिर से चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। या, उसके दोबारा निर्वाचित होने तक किसी भी सार्वजनिक कार्यालय में प्रवेश से रोक दिया जाए। यह प्रावधान लोगों द्वारा चुनी गई सरकार को स्थिरता प्रदान कर सकता है, जो कि दल-बदल विरोधी अधिनियम का प्रमुख उद्देश्य है।

इस निमित्त देश में एक ऐसा कानूनी ढांचा विकसित किया जाना चाहिए जो यह सुनिश्चित करे कि कोई भी राजनीतिक दल चुनाव के दौरान नागरिकों से किए गए वादों का हर हाल में पालन करे, दल बदल की स्थिति में पारदर्शी संव्यवहार हो।

सामाजिक व वैचारिक विविधता ही भारत की ताकत है

मोहिनी माथुर

पिछले किसी निर्णायक चुनाव के नतीजे आने के बाद राजेन्द्र माथुर की टिप्पणी थी, ' भारत की हवा पर मूलतः वह अखिल भारतीय वर्ग हावी है जिसके दिल में दो बातें सर्वोपरि हैं। एक है भारत की एकता और अखंडता और दूसरी है गरीबों को भी प्रवेश का अवसर देने वाला खुला उदार प्रजातंत्र। आप एक मुल्य को चुन लें और दूसरे को रौंद डालें, यह कतई संभव नहीं है। लेकिन जब आप कहते हैं कि देश के स्थायित्व के लिए ये जरूरी है, तो यह ऐसा है कि ब्राम्हण को माँस खिलाने वाला ये कहे कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए हमें समर्थन दो। '

निसन्देह भारत के आम आदमी की उस सूझ बूझ ने न केवल भारत बल्कि दुनिया को आश्चर्य में डाला है। यहाँ के गरीब आम आदमी को प्रजातंत्र या शासक वर्ग की ऊँची ऊँची बातें समझ में नहीं आती। उनके अंतःकारण से जो आवाज़ आती है वही उनके लिए अंतिम सत्य है। गाँव का आदमी, लगभग निरक्षर और आज भी गरीब, आसमान देखकर मौसम के बारे में बता देगा, ज़मीन पर लकड़ी ठोक कर बता देगा कि पानी कहाँ मिलेगा। उसे अपने काम और परिवार के हाल चाल से सरोकार है, लेकिन उसे ये भी आभास है कि समाज व आसपास में कौन खोखला है और कौन दिल से ईमानदार। ये आदमी दिल से समावेशी है, सबको समेटने वाला ङ्क काटने वाला नहीं। हजारों सालों से भारत की ताकत का स्त्रोत भी यही आदमी है।

पिछले कुछ वर्षों से भारत की एकता को खतरे का हवाला देकर बहुत कुछ कहा जा रहा है और प्राचीन सांस्कृतिक वैश्व की याद दिलाकर जो कुछ आधुनिक है उसे भारत विरोधी बता कर नेपथ्य में करने की कोशिश हो रही है।

लेकिन यदि व्यापक दृष्टिकोण व विचारों की गहराई के संदर्भ में देखें तो उस प्राचीन भारत का आदमी संकुचित विचारों से मीलों दूर था। दुख की बात है कि उस वैभव के नाम पर हमें संकुचिता की ओर ढकेला जा रहा है।

जिन वेदों और उपनिषदों का हवाला देकर आजकल भारत को एंकागी बनाने की कोशिश है ङ्क उन वेदों में, खास कर ऋग्वेद मे तो केवल प्रकृति की प्रशंसा व जीवनदायनी तत्वों जैसे क्षितिज, जल, पावक, गगन, समीरा, सूर्य, चन्द्रमा व तारों के गुणगान के श्लोक हैं ङ्क आश्चर्य व आनन्द से भरे हुए श्लोक ! कोई आश्चर्य नहीं कि उस तरह के वातावरण से कोई भी बाहर से आने वाला आकर्षित हो जाता था।

रविन्द्रनाथ टैगोर ने भी इन वैदिक श्लोकों का वर्णन सभ्यता के आरम्भ में मनुष्य द्वारा प्रकृति की सुंदरता, ब्रम्हाण्ड के रहस्यों व उसके नित नये रूपों को संगीतमय श्रद्धांजलि के रूप में किया है ङ्क सभ्यता का ये आदिकाल था मनुष्य पर ज्ञान का कोई बोझ नहीं था। ब्रम्हाण्ड के नित नये अजूबे देख कर लोगों के मुँह से अनायास ही आनन्द भरे उद्गार निकल जाते थे। टैगोर के अनुसार वैदिक श्लोकों में समाहित प्रकृति के रहस्यों का गुणगान ही उनको और कालजयी बनाता है।

उस वैश्वशाली अतीत में न किसी मूर्ति का जिक्र था ङ्क न किसी मंदिर का सारे श्लोक बस विश्व के रहस्यों, उसकी सुदंरता के लिए किसी अदृश्य शक्ति को धन्यवाद के लिए निकले उद्गार हैं (जवाहरलाल नेहरू) धन्यावाद देने के लिए किसी देवी देवता का नाम नहीं लिया गया। धर्म का उस समय किसी के मन में कोई संकल्पना नहीं थी।

इतना ही नहीं 'हिंदू' शब्द भी प्राचीन ग्रंथों में नहीं मिलता ङ्क आठवीं शताब्दि के किसी अनाम ग्रंथ में पहली बार 'हिंदू' शब्द प्रयोग किया गया। वो भी यहाँ के लोगों के लिए न कि किसी धर्म के अनुयाइयों के लिए।

'हिंदू' होना जीवन जीने का एक तरीका था ङ्क यहाँ की सब चीजें सब के लिए, किसी एक समुदाय के लिए नहीं। लोग विभिन्न विचारों में विश्वास रखते थे, अलग अलग रीति रिवाज़ थे किसी तरह की बन्दिशें नहीं थी। जीवन की इस सहजता ने ही सैकडों साल से बाहर से आने वाले उन हजारों लोगों को आकर्षित किया जो यही के होकर रह गयें। भारत में आज भी कई देशों के लोग आराम से रहते हुए मिल जायेंगे। उन्हें भारतीय कहलाने मे कोई एतराज़ नहीं है। यहाँ बसने वाले ईसाइयों या मुसलमानों ने आसानी से यहाँ उस समय प्रचलित रीतिरिवाजों और संस्कृति को स्वीकार कर लिया। न केवल ये बल्कि उनके समाज में होने वाले कई मंगल कार्यों में भारतीय मांगलिक रीति रिवाजों की झलक मिलती है। इसके बावजूद वो अपने धर्म का पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं व अपने रीति रिवाजों का कट्टरता से पालन करते हैं।

प्राचीन काल में भारत के वभश्व की कहानियों ने दूर दूर के देशों को इतना आकर्षित किया कि देश को सैकड़ों आक्रमण झेलने पड़े। हर आक्रमण एक नई चुनौती लेकर आया। हर बार समाज को नया धक्का सहना पड़ा। लेकिन हर आक्रमणकारी का एक ऐसे सामाजिक वातावरण से सामना हुआ जो हर चीज़ को अपने में समेट लेता था और धीरे धीरे भारतीयता के रंग में रंग देता था। नतीज़ा ये हुआ कि भारतीय संस्कृति का रूप हर सौ, दो सौ साल में बदल जाता था। हमारी संस्कृति कभी मृतप्रायः नहीं हुई हमेशा जीवंत बनी रही।

इस प्रक्रिया के चलते इन हज़ारों वर्षों में भारत ने अपने अदंर इतनी विविधताओं को समेटा है कि अब यही विविधता यहाँ की ऐसी पहचान वन गई है जिस पर न केवल हमें गर्व है बल्कि पूरा संसार आश्चर्य चकित है। दर्जनों भाषाएं, त्योहार, रीतिरिवाज़, खानपान, धार्मिक आस्थाएं, नृत्य, संगीत, साहित्य ङ्क हर बात अलग, लेकिन दिल से भारतीय। और ये भारतीयता उस समय ज़्यादा उभर कर सामने आती है जब देश के अस्तित्व पर संकट आता है। नहीं तो समुदायों के आपस में विरोधी विचार होते हुए भी जीवन सामान्य रूप से चलता रहता है। भारतीय मानस के अंर्तमन में सर्तकता का एक सत्त भाव रहता है जिसके चलते इस देश के विविधता से भरे तानेबाने को कोई नष्ट नहीं कर सकता। भारत के साधारण गरीब और ज़मीन से जुड़े आदमी ने सैकड़ों वर्षों से इस ढांचे को सुरक्षित रखा है। इतिहास गवाह है कि जिन संस्कृतियों ने दिल खोलकर विविधता का स्वागत किया है वही जिंदा रही हैं। बाकी काल के गर्त में समा गई हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

आमला पुलिस द्वारा वाहन चैकिंग के दौरान जुर्माना सहित बसों से प्रेशर हार्न हटवाये

बैतूल आमला - पुलिस अधीक्षक बैतूल सुश्री सिमाला प्रसाद के द्वारा जिले मे चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत आमला नगर मे पुलिस थाना आमला द्वारा वाहन चैकिंग करते हुये वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन करने, हेल्मेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, प्रेशर हार्न न बजाने संबंधी समझाईश दी गई। शहर के सकरे रोड़ पर अनावश्यक दो पहिया और चार पहिया वाहन खड़ा न की अपील भी की गई साथ ही चैकिंग के दौरान 12 बसों से प्रेशर हार्न हटवाये गये तथा 6 हजार रूपये समन शुल्क वसूला गया। प्रेशर हार्न के खिलाफ पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

जेसीआई स्वर्णा का वैक्सीनेशन शिविर आज

शिवपुरी- जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा द्वारा निशुल्क विशाल वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन दिनांक 4 फरवरी शनिवार को किया जा रहा है इस शिविर में तीसरी बूस्टर डोज लगाई जाएगी यह शिविर जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा द्वारा शहर के जैनम मेडिको गैलेक्सी होटल के पीछे आयोजित किया जाएगा जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोग वैक्सीनेशन करवाए यह वैक्सीन राष्ट्रपति से सम्मानित एएनएम अलका श्रीवास्तव द्वारा लगाई जाएगी जिसमे मुख्य अतिथि के रूप गायत्री शर्मा नगर पालिका अध्यक्ष उपस्थित रहेंगी जिसमे संस्था की आईपीपी एचजीएफ आशु अग्रवाल, अध्यक्ष एचजीएफएफ प्रियंका शिवहरे एवं सचिव जेसी आरती जैन के साथ सभी जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा के सदस्य उपस्थित रहेंगे ।

श्रीबांकड़े हनुमान मंदिर पर श्रीमद् भागवत कथा

शिवपुरी-जीवन में जब भी हमें ईश्वर का सानिध्य प्राप्त करना है तब श्रीमद् भागवत कथा ने हमेशा मनुष्य को सद्मार्ग का मार्ग प्रदान किया है और इस मनुष्य को सार्थक करना है तो ईश्वरीय भक्ति के अलावा अन्य कोई माध्यम नहीं, इसलिए जब भी कोई पुण्य कार्य करें तो ईश्वर का ध्यान जरूर करना चाहिए। सार्थक जीवन जीने का यह मार्ग प्रशस्त किया प्रसिद्ध श्रीमद् भागवत कथा वाचक डॉ.गिरीश जी महाराज ने जो स्थानीय श्रीबांकड़े हनुमान मंदिर पर आयोजित कथा में आर्शीवचन प्रदान कर रहे थे। इस अवसर पर आचार्यत्व का दायित्व श्रीबांकड़े हनुमान मंदिर महंत गिरिराज जी महाराज के द्वारा किया गया। यह आयोजन सेवाभावी श्रीबांकड़े हनुमान सेवा संस्थान शिवपुरी के तत्वाधान में आयोजित किया गया है जिसमें ना केवल संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा बल्कि नवकुण्डी महायज्ञ भी धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित है जिसमें शहर के धर्मप्रेमीजनों ने यजमान के रूप में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित किया है। संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के रूप में कथा के तृतीय दिवस पर भक्त प्रहलाद चरित का व्याख्यान करते हुए व्यासपीठ से डॉ.गिरीश जी महाराज ने कहा कि भक्ति का यदि भाव देखना है तो इसके लिए भक्त प्रहलाद का जीवन है जो हमें सीख देता है कि जब भी ईश्वर का ध्यान करें तो एकाग्रचित होकर करें और सभी मनोरथ पूर्ण तभी होंगें जब इस संसार से विरक्त होकर ईश्वर भक्ति में लीन हो सकेंगें।

पगारा के सहायक शिक्षक वहाब खान पठान निलंबित

धार। सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन ने धर्मपुरी विकासखंड की माध्यमिक विद्यालय, पगारा के सहायक शिक्षक श्री वहाब खान पठान को शाला की छात्रा के साथ अश्लील एवं अभद्रतापूर्ण व्यवहार किये जाने तथा पुलिस थाना धरमपुरी में इनके विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज होने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने का आदेश जारी किया है। श्री खान का निलंबन अवधि में मुख्यालय विकासखंड शिक्षा कार्यालय, गंधवानी नियत किया जाता है। इन्हें निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल का छतरपुर आगमन पर स्वागत

छतरपुर,। प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल शुक्रवार 3 फरवरी को छतरपुर जिले के प्रवास पर भोपाल से हवाई मार्ग द्वारा खजुराहो एयरपोर्ट पहुंचे। जहां कलेक्टर संदीप जी.आर. एवं पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा एवं अन्य अधिकारियों द्वारा उनकी अगवानी की गई। राज्यपाल सड़क मार्ग द्वारा खजुराहो से सर्किट हाउस छतरपुर पहुंचे। जहां जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति विद्या अग्निहोत्री, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. टी.आर. थापक, कुलसचिव डॉ जे.पी. मिश्र सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

पटवारियों पर अनुचित कार्यवाही को निरस्त करने की मांग

मध्य प्रदेश पटवारी संघ ने कलेक्टर दिया ज्ञापन

योगेश गुप्ता बैतूल। पटवारियों पर की गई कार्यवाही को निरस्त करने की मांग को लेकर पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र पवार के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। जिसमे बताया है कि श्रीमती रीना धुर्वे तहसील बैतूल को भी बिना पक्ष जाने निलंबित किया गया है। श्रीमती कीर्ति ठाकुर पटवारी तहसील भैंसदेही का केवल इस कारण निलंबित किया गया है कि उनका पति श्रीमती कीर्ति ठाकुर को कार्य में सहयोग करता है। जबकि श्रीमती ठाकुर का ई-केवायी. सी.एम सत्यापन, आधार लिंकिंग अन्य क्षेत्रों में कार्य पेंडिंग नहीं है। इसी प्रकार श्री तासीप्रसाद बारस्कर को भी बिना किसी कारण बताओ नोटिस के पक्ष जाने बिना निलंबित किया गया है। राजेश सनेचर पटवारी तहसील आठनेर को भी अन्य पटवारियों की तुलना में अच्छा कार्य करने के उपरांत भी निलंबित किया गया है। बबलू अहाके, तहसील आमला रवि उइके तहसील प्रभातपट्टन की तीन वेतनवृद्धि रोके जाने के आदेश किये गये है। राकेश कठोतिया पटवारी को चिकित्सा अवकाश पर रहने की अवधि के दौरान बिना पक्ष जाने निलंबित कर दिया गया है। सरन लाल काकोडिया को तीन वेतन वृद्धि अंसचीय प्रभाव से रोक दी है। शंकरलाल भलावी तह. आमला दिनेश सुरजाये तहसील शाहपुर तीन माह से अधिक अवधि से निलंबित है। जिन्हें बहाल किया जाने के आदेश प्रसारित किये जाये। मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने उक्त पटवारियों पर की गई कार्यवाही को निरस्त करने की मांग की है। इस दौरान आमला तहसील अध्यक्ष दिगम्बर बारस्कर, तहसील अध्यक्ष आठनेर रामकिशोर इवने, तहसील अध्यक्ष शाहपुर ओमप्रकाश वर्मा, दिलीप करोचे, तहसील अध्यक्ष बैतूल अनिल वर्मा, निखिल देशमुख, कमलेश देशमुख, सहसचिव यशवंत वटके, विवेक मालवीय, जगन्नाथ कुमरे सहित अन्य पटवारीगण मौजूद थे।

भाजपा की सरकार रहते किसान हितैषी योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन संभव : खण्डेलवाल

बैतूल -पंडित दीनदयाल उपाध्याय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के तेलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर प्रशिक्षण वर्ग उद्घाटन के बाद प्रथम सत्र को संबोधित करते हुऐ वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश खंडेलवाल ने प्राकृतिक एवम जैविक खेती पर कहा कि समय के साथ कृषि में रासायनिक उर्वरकों के लगातार बढ़ते उपयोग से मृदा की गुणवत्ता उत्पादकता एवम उर्वरकता तेजी से कम हों रही है। रासायनिक उर्वरक भूमि के साथ साथ जल स्रोतों को दूषित कर रहे है। हमारी आगमी पीढ़ी को खेती के लिए स्वस्थ एवम गुणवत्ता पूर्ण भूमि उपलब्ध करने के लिए समय की मांग है। कि कृषक बंधुओ को प्राकृतिक जैविक खेती को बढ़ावा देना चाहिए।यह गर्व का विषय है भाजपा सरकार की नीतियों के कारण क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से सम्पूर्ण देश में मध्यप्रदेश में सर्वाधिक क्षेत्र में जैविक खेती की जाती है। इस अवसर पर श्री खंडेलवाल ने जैविक खेती को बढ़ाने के लिए कृषक बंधुओ को शपथ भी दिलवाई। भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष महेश्वर सिंह चंदेल ने सरकार की किसान कल्याणकारी नीतिया बताते हुए कहा की भाजपा वास्तविक किसान हितैषी पार्टी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान की आय दुगनी करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना किसान क्रेडिट कार्ड योजना प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना , मृदा स्वस्थ कार्ड योजना , प्रधानमंत्री कुसुम योजना प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, राष्ट्रीय कृषि बाजार योजना, राष्ट्रीय बागवानी मिशन समेत विभिन्न योजनाओं के जानकारी दी कहा की केंद्र सरकार के द्वारा यूरिया डी ए पी समेत अन्य उर्वरको एवम सिंचाई के लिए आवश्यक बिजली पर हजारों करोड़ रूपए के अनुदान सहायता के रूप किसान बंधुओ को दिए जा रहे है। और भाजपा शासन काल में ही किसान हितैषी योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन संभव है

भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गढेकर ने उपस्थित कृषक बंधुओ का आभार व्यक्त किया

भारी मंत्री इन्दर सिंह परमार ने स्कूलों में विद्यार्थियों से किया शैक्षणिक संवाद

बैतूल। जिले के प्रभारी एवं प्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने शुक्रवार को शाहपुर के शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय एवं शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरबटपुर पहुंचकर वहां विद्यार्थियों से शैक्षणिक संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न ज्ञानवर्धक जानकारियां दीं। साथ ही उनके शैक्षणिक कैरियर पर भी चर्चा की। प्रभारी मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर अपना बेहतर भविष्य तैयार करें। इस दौरान उन्होंने बताया कि सरकार ने अंग्रेजी में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम अब हिन्दी भाषा में प्रारंभ किए हैं, जो विद्यार्थियों के लिए सुविधाजनक है। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सीएम राइज स्कूल भी प्रारंभ किए गए हैं। विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि वे सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ लें और अपना बेहतर भविष्य तैयार करें। इस दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्रीमती शिल्पा जैन, जिला शिक्षा अधिकारी अनिल सिंह कुशवाह, एसडीएम अनिल सोनी, डीपीसी संजीव श्रीवास्तव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

केंद्रीय बजट में छुपी है 100 साल बाद के भारत की संकल्पना- जिला भाजपा अध्यक्ष

सीहोर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार का यह बजट सर्वस्पर्शी है, जिसने समाज के प्रत्येक वर्ग को छुआ है। सर्वव्यापी है, क्योंकि देश के प्रत्येक राज्य के लिए है। यह सर्वसमावेशी और विकास को समर्पित बजट है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने सामाजिक न्याय, समानता, सम्मान, समान अवसर उपलब्ध कराने का जो संकल्प लिया है, यह उसको पूरा करने वाला और इज ऑफ लिविंग को ब?ावा देने वाला आम बजट है। यह केवल वर्ष 2023-24 का बजट नहीं है, बल्कि 100 साल बाद भारत कैसा होगा, की संकल्पना पर आधारित बजट है। इसके लिए मै सीहोर जिला भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री जी का हृदय से अभिनंदन करता हूँ एवं केंद्रीय वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ।

रेत गिट्टी से बच्चे आम जन चोटिल

नैनपुर से बालाघाट सड़क मार्ग पर घटना न हो इस उद्देश से स्पीड ब्रेकर बनाए गए है किंतु आर्थिक लाभ के चलते चांगू टोला रेत खदान से आने वाली रेत और क्रेशर से गिट्टी इस स्पीड ब्रेकर में गिर रही है जिस से आम जन स्कूल के बच्चे चोटिल हो रहे है मनमाने ढंग से भर के वाहन गिट्टी रेत ला रहे है जिस से नगर में इस मार्ग में फिर घटना हो रही है कल ही एक घटना हुई खनिज विभाग और पुलिस प्रशासन से जन हित मांग है की इस दिशा में ठोस कार्यवाही की जाए नही तो कोई घटना के बाद जन आक्रोश भड़केगा ये तय है पूरे नैनपुर नगर में थावर से लेकर मंडी तक सड़क पर गिट्टी और रेत नजर आ रही ह

चाय पान की गुमठियों पर बिकती है शराब, शराब बिक्री को लेकर महिलाएं हुई लामबंद

सीहोर। प्रदेश सरकार ने नर्मदा किनारे के पांच किमी के दायरे में शराब बिक्री प्रतिबंधित की गई है। बाबजूद क्षेत्र के नर्मदा किनारे बसे गांवों में शराब की बिक्री बेरोकटोक की जा रही है। जिससे साफ जाहिर होता है की यहां सरकार का प्रतिबंध बेअसर साबित हो रहा है। हालात ये हो गए हैं कि चाय-पान की गमठियों पर शराब बिक रही है। गांवों में हो रही शराब बिक्री को लेकर इन दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो बुधनी तहसील के गांव सनखेड़ी का बताया जा रहा है। वीडियो में गांव के करीब एक दर्जन महिला पुरुष एक स्वर में शराब बंद कराने को लेकर अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन देने की बात कहते नजर आ रहे हैं। वीडियो में कहा गया है की अवैध शराब की लत बच्चों के भविष्य को बर्बाद कर रही है, गांव के कई बच्चे शराब के आदी हो गए हैं। नर्मदा किनारे बसे नगर शाहगंज, बनेटा, अकोला, खटपुरा, सनखेड़ी, सरदारनगर, नारायणपुर, जनवासा, सुडानिया में अवैध शराब की बिक्री जोरों पर है। यहां चाय पान की गुमठियों समेत सड़क किनारे ढावों पर शराब बेची जाती है। थाना प्रभारी शाहगंज पंकज सिंह का कहना है कि अवैध शराब बिक्री के मामले में लगातार कार्रवाई की जा रही है, अगर कहीं कोई शिकायत आती है तो आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

रेल्वे स्टेशन नैनपुर के समाने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन प्रारंभ

नैनपुर नगर व ग्रामीण अंचलों की जनमांग को लेकर रेल्वे स्टेशन नैनपुर के समाने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया गया यह आंदोलन किसी राजनैतिक दल का नहीं है यह आंदोलन हमारे नैनपुर का नैनपुर आन बान शान रेल के लिए किया जा रहा यह आंदोलन नैनपुर के हर एक व्यक्ति का आंदोलन हैआदोलन मे सक्रिय भागीदारी करने वाले पार्षद नितिन ठाकुर मोहित झारिया ने आग्रह किया सभी आये और अपनी नैनपुर की लड़ाई में सहयोग करें

राशन डीलरों ने सौंपा एसडीएम को ज्ञापन 7 से 9 तक डीलरो की हड़ताल

बैरसिया बैरसिया।। शुक्रवार को बैरसिया के समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकान डीलरों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैरसिया आदित्य कुमार जैन को ज्ञापन सौंपकर जानकारी दी है कि वह 7 से 9 फरवरी तक हड़ताल पर रहेंगे। बैरसिया भण्डार संघ के अध्यक्ष जितेंद्र साहू ने बताया कि कई सालों से उनकी विभिन्न मांगे है। जैसे पुरानी पीएमजी खाद्यान्न योजना जारी रखना,पचास हजार मात्र की न्यूनतम मासिक आय की गारंटी मानदेय के रूप में सुनिश्चित की जाए,?764 प्रति कुंटल का न्यूनतम मार्जिन केंद्र द्वारा नियुक्त तृतीय पक्ष वर्ल्ड फूड प्रोग्राम की सिफारिश को लागू करने के लिए, चावल गेहूं और चीनी के लिए 1 किलो प्रति कुंटल की दर से हैंडलिंग लांच की अनुमति दी जानी चाहिए, खाद्य तेल दाल और चीनी की बढ़ती कीमतों को रोकने के लिए उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से आपूर्ति की जानी चाहिए और साथ ही संबंधित किसानों को भी बढ़ावा देना चाहिए जूट के बार दानों में खाद्यान्न की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ग्रामीण क्षेत्रों के उचित मूल्य दुकानों के डीलरों को चावल और गेहूं के लिए प्रत्यक्ष खरीद एजेंट डीपीए के रूप में कार्य करने की अनुमति देना, भारतीय नागरिकों को राशन के मुक्त वितरण का पश्चिम बंगाल राशन मॉडल यानी सभी के लिए भोजन पूरे देश में लागू किया जाए जैसी अन्य मांगों को लेकर दुकान संचालक हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान लोगों को होने वाली असुविधा के लिए उन्हें खेद है। लेकिन मजबूरी यह है कि जब तक सरकार उनकी मांगों को गम्भीरता से नहीं लेगी उन्हें इसी तरह के क़दम उठाने पड़ेंगे। सहकारी समिति संघ के पदाधिकारियों का कहना है ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर फेडरेशन के निर्देश पर देश के सभी राशन दुकान डीलर अपनी राशन दुकान बंद करेंगे।

विधानसभा चुनावों को लेकर सीहोर में राजनीतिक गतिविधियां तेज

सीहोर राजनीतिक गतिविधियां आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बहुत तेजी से सीहोर के समीकरण बदल रहे हैं जहां तक सीहोर जिले के विधानसभा सीटों की बात है तो वहां जिले में चारों सीटें भाजपा के पास और सांसद भी भाजपा का है विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही जिले में राजनीतिक गतिविधियां बहुत तेजी से बदल रही है पूर्व में हुए जिला पंचायत के चुनाव में कांग्रेस जहां मजबूती के साथ पूरे जिले में अपनी पेंट बनाने में सफल हुई है वहीं भाजपा कहीं ना कहीं कमजोर दिख रही है लेकिन उसके बाद भी जिला पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष भाजपा का निर्वाचित हुआ है जहां तक सीहोर विधानसभा की बात है तो यहां जिला पंचायत की 3 सीटों में कांग्रेस निर्वाचित हुई है वहीं कांग्रेस जोर शोर से विधानसभा की तैयारी कर रही है वहीं भाजपा के विधायक सुदेश राय आगामी विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीते थे को लेकर भी कांग्रेस की चिंता की लकीरें बड़ी हुई है लेकिन भाजपा की गुटबाजी कहीं ना कहीं कांग्रेस को मजबूती प्रदान कर रही है क्योंकि वर्तमान में जिला पंचायत चुनाव में कांग्रेस ने मजबूती से चुनाव जीता है यहां से कांग्रेस के प्रमुख दावेदारों में कांग्रेस नेत्री रुकमणी रोहिल्ला जिनकी पैरवी के लिए कमलनाथ दिग्विजय सिंह और सज्जनों आशीर्वाद प्राप्त है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीते पूर्व विधायक रमेश सक्सेना पुत्र शशांक सक्सेना भी प्रमुख दावेदार बताए जा रहे हैं वही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व नगरपालिका के अध्यक्ष राकेश राय अपनी दावेदारी मजबूती के साथ रख रहे हैं उसी के साथ जिला पंचायत के एक और सदस्य राजू राजपूत दमदार इसे कांग्रेस प्रत्याशी की दौड़ने बताया जा रहे हैं उन्हीं के साथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष बलवीर तोमर के दावेदार बताया जा रहा है वही कांग्रेस की दो बार पार्षद रही वर्षा घनश्याम यादव कांग्रेस टिकट की दावेदार और पार्षद राजीव गुजराती भी कांग्रेस टिकट के दावेदार बताया जाना है अब देखना यह है कि कांग्रेस जीती के समीकरण सीहोर की राजनीति में क्या गुल खिलाते हैं लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि विगत दिनों पूर्व पार्षद पवन राठौर के जन्मदिन पर कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी भी पहुंचे थे राजकुमार पटेल अटकलें भी लगाई जा रही सुरेश पचौरी कहीं कांग्रेस से टिकट के दावेदार तो नहीं है अगर ऐसा हुआ तो सीहोर की राजनीति के समीकरण चेंज हो जाएंगे और कांग्रेस वोट मजबूती के साथ चुनाव में उतरेगी वहीं दूसरी ओर बुधनी विधानसभा में कांग्रेश के पास को कोई मजबूत प्रत्याशी मुख्यमंत्री खिलाफ चुनाव लड़ सके ऐसी चर्चा है लेकिन राहुल गांधी की यात्रा में चल रहा है विजेंद्र उईके जोकि जिला पंचायत सदस्य का चुनाव बुधनी विधानसभा के जिला पंचायत क्षेत्र 15 नंबर से भारी बहुमत से जीत आदिवासी चेहरे भी युवा भी है इसी के साथ पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राजकुमार यादव और महेश राजपूत सहित अन्य दावेदार बड़ी मजबूती के साथ कांग्रेस से दावेदारी कर रहे हैं इछावर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के मजबूत दावेदार शैलेंद्र पटेल मजबूती के साथ विधानसभा की तैयारी कर रहे हैं लेकिन लोकसभा विधानसभा चुनाव में उनकी करारी हार ने कहीं ना कहीं उनको कमजोर किया है इसी कारण वहां कांग्रेसी बृजेश पटेल अभय मेहता की

भारत जोड़ो यात्री परेश नागर की घर वापसी पर औबेदुल्लागंज में हुआ भव्य स्वागत

पीसीसी कार्यालय सहित नगर के सर्व समाज व कांग्रेस पार्टी ने की भव्य अगवानी

औबेदुल्लागंज।भारत जोड़ो यात्रा का समापन हो चुका है।इसके समापन के बाद समस्त भारत जोड़ों यात्री जो यात्रा में शामिल थे अब वह अपने घर लौट रहे है।नगर औबेदुल्लागंज से भी भारत जोड़ों यात्रा में नगर के युवा परेश नागर कन्याकुमारी लेकर कश्मीर तक की इस भारत जोड़ो यात्रा में शामिल रहे।उन्होंने कांग्रेस लीडर राहुल गांधी के साथ कई बार यात्रा में साथ भी चले और उनका मार्गदर्शन भी मिलता रहा।यात्रा समापन के बाद परेश नागर व अन्य दो भारत जोड़ो यात्री अवनी बंसल व अजय का भोपाल में पीसीसी कार्यालय में स्वागत किया।वही औबेदुल्लागंज के परेश का मंडीदीप व औबेदुल्लागंज में घर वापसी पर मंडीदीप व औबेदुल्लागंज में स्वागत किया।वह अपने गृह नगर औबेदुल्लागंज में 3 फरवरी को लौट आये।

इस वापिस पर नगर औबेदुल्लागंज के साथ ही आसपास के लोगों में हर्ष है और उनकी वापसी पर भव्य स्वागत सभी ने किया।परेश ने यात्रा का अनुभव बताया कि, कन्याकुमारी से जम्मू कश्मीर तक 3570 किलोमीटर की यात्रा को पूर्ण करना खुशी की बात है।कई नए अनुभव इस यात्रा में मिले सभी के स्वागत के समय मिले इस प्यार का मैं सम्मान करता हूँ।निश्चित ही यह यात्रा सुखदायी रही यह यात्रा लोगों के डर को खत्म कर हिम्मत और प्रेम के लिए रही।स्वागत में औबेदुल्लागंज मंडीदीप के कई लोग शामिल रहे।

समर्थन मूल्य पर गेहू उपार्जन हेतु किसान पंजीयन कार्य 6 से प्रारंभ होकर 28 फरवरी तक किया जावेगा

धार, जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर गेहू उपार्जन हेतु किसान पंजीयन कार्य 6 फरवरी से प्रारंभ होकर 28 फरवरी तक किया जावेगा। किसान पंजीयन हेतु सहकारी समितियों एवं विपणन संस्थाओं के खोले गये 109 पंजीयन केन्द्र, ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्रों पर समस्त कार्य दिवसों में (रविवार एवं शासकीय अवकाश को छोड़कर) निःशुल्क पंजीयन किया जावेगा। इसके अतिरिक्त एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साईबर कैफे पर 50 रूपये राशि का भुगतान कर सशुल्क पंजीयन करवा सकते हैं। एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साईबर कैफे से पंजीयन कार्य करने हेतु आवेदन इच्छुक संचालनकर्ता को ई-उपार्जन पोर्टल पर अपना पंजीयन आवश्यक दस्तावेज सहित ऑनलाईन दर्ज करना होगा। ऐसे पंजीयन केन्द्र का सत्यापन उपरांत ही किसान पंजीयन का कार्य किया जा सकेगा। नवीन व्यवस्था अंतर्गत किसानों के पंजीयन कार्य एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साईबर कैफे के संचालक को ई-उपार्जन पोर्टल पर अपना पंजीयन करना आवश्यक होगा।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक 560 ज.सं./भो.वि.प्रा./ 22 भोपाल, दिनांक 03/02/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की नुपुरकुंज योजना में प्रकोष्ठ क्रं. 5/3 श्रीमती उर्मिला पण्डित पत्नी श्री आर.आर. भनोट एवं अजय भनोट आ. स्व.श्री राजकुमार भनोट के नाम पर आवंटित है। आवंटी श्रीमती उर्मिला पण्डित का स्वर्गवास दिनांक 05.11.2022 एवं श्री अजय भनोट का स्वर्गवास दिनांक 23.04.2021 को होने के कारण श्रीमती उर्मिला पण्डित के नाम के स्थान पर श्री संजय भनोट आ. स्व.श्री राजकुमार भनोट एवं श्रीमती मंजूला भरद्वाज पुत्री स्व.राजकुमार भनोट के ना पर उक्त प्रकोष्ठ क्रं. 5/3 को संयुक्त नाम पर मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र फोटो युक्त पहचान पत्र (आधार कार्ड) साक्ष्य के आधार पर अपने नाम पर नामांतरण आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

यदि उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने अंतःविषय शैक्षणिक उत्कृष्टता के लक्ष्य के साथ एमबीए प्रोग्राम लांच किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। अंतःविषय शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करने के लक्ष्य के साथ महिन्द्रा युनिवर्सिटीने अपना दो वर्षीय पूर्णकालिक एमबीए प्रोग्राम लांच करने की घोषणा की है। यह बहुक्षेत्रीय युनिवर्सिटी अत्याधुनिक अनुसंधान, नवप्रवर्तन और उद्यमशीलता के जरिये नए ज्ञान के सृजन पर केंद्रित है। इस एमबीए प्रोग्राम के पाठ्यक्रम में तीन क्षेत्रों- बिजनेस एनालिटिक्स, डिजिटल बिजनेस और फाइनेंस में विशेषज्ञता की पेशकश की जाएगी। इसका लक्ष्य उच्च क्षमता वाले विद्यार्थियों को प्रवेश देना है और उनके चयन में मजबूत अकादमिक प्रदर्शन, जीमैट, कैट या जीआरई जैसी मानकीकृत प्रवेश परीक्षाओं में अच्छे अंक और एक्स्ट्रा कैरिकुलर उपलब्धियों पर विचार किया जाएगा। इन सभी मानकों पर आकलन लिखित आवेदन और इंटरव्यू के जरिये किया जाएगा। यह प्रोग्राम विद्यार्थियों के प्रोफाइल को ध्यान में रखकर गहन अनुभव रखने वाले शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाएगा। इस प्रोग्राम में विद्यार्थियों को प्रबंधकीय एवं सांस्कृतिक दोनों ही दृष्टिकोण से अंतरराष्ट्रीय अनुभव से रूबरू कराने की व्यवस्था है जिसमें कारोबारियों के पास उन्हें ले जाना, अतिथि वक्ताओं द्वारा प्रस्तुति, स्थानीय संस्कृति आदि का अनुभव दिलाना शामिल है। महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर यजुलु मेदुरी ने इस प्रोग्राम को शुरू करने की घोषणा करते हुए कहा, श्कंपनियों द्वारा अधिक लचीलापन की पेशकश किए जाने के साथ उच्च शिक्षा और कॉरपोरेट इंडिया के बीच अंतर बढ़ रहा है। कॉलेजों पर यह सुनिश्चित करने का दबाव है कि विद्यार्थी महज स्नातक के डिग्रीधारक ना बनें, बल्कि उन्हें टिकाऊ रोजगार का मार्ग मिले जिससे वे एक बेहतर जिंदगी जी सकें। दीर्घकाल में अधिक लचीलापन और सहन क्षमता के साथ परिचालन करने में संस्थानों को समर्थ बनाने वाले परिवर्तनकारी दृष्टिकोण से संस्थानों को आज की चुनौतियों से मजबूती से मुकाबला करने में मदद मिल सकती है और वे एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते हैं। इस तरह के परिवर्तन के लिए विद्यार्थियों के परिणामों में सुधार और संगठन के स्वास्थ्य एवं निष्पादन पर ध्यान देने वाले प्रोग्राम की जरूरत है। प्रोफेसर एवं स्कूल ऑफमैनेजमेंट के डीन डॉक्टर रामकृष्ण वेलामुरी ने कहा, श्हमारा एमबीए प्रोग्राम शुरू हो गया है, यह घोषणा करते हुए हम बहुत उत्साहित हैं।

महंगाई से निपटने के लिए 2,000 करोड़ रुपये, शराब और पेट्रोल-डीजल पर लगेगा सामाजिक सुरक्षा सेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। केरल की वाम सरकार ने इस वर्ष के बजट में पेट्रोल, डीजल और शराब पर सामाजिक सुरक्षा उपकर लगाने की घोषणा की है। ऐसे में ये चीजें आने वाले दिनों में महंगी हो सकती हैं। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए केरल का बजट वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने शुक्रवार को पेश किया जिसमें मूल्य वृद्धि से निपटने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करने के साथ ही बुनियादी ढांचे और उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए कई पहलों की घोषणा की गई है।

अपने बजट भाषण में वित्तमंत्री ने कहा कि आईएमएफएल की 500 से 999 रुपये एमआरपी वाली हर बोतल पर 20 रुपये सामजिक सुरक्षा उपकर के रूप में वसूला जाएगा। 1000 से अधिक एमआरपी वाली बोतल पर 40 रुपये प्रति रुपये की दर से उपकर वसूला जाएगा। इसके अलावा पेट्रोल और डीजल पर भी प्रति लीटर दो रुपये की दर से सेस वसूला जाएगा। राज्य के वित्त मंत्री ने बजट पेश करते हुए कहा कि कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया, ''कुल 2,000 करोड़ रुपये राज्य में मूल्य वृद्धि से निपटने के लिए रखे गए हैं।'' बजट में 80 करोड़ रुपये का प्रावधान राज्य में गरीबी उन्मूलन के लिए किया गया है, वहीं 600 करोड़ रुपये रबड़ सब्सिडी के लिए रखे गए हैं।

बालगोपाल ने कहा कि अनुसंधान एवं विकास पर और जोर देने के लिए 'अनुसंधान एवं विकास' बजट अलग से लाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के घरेलू उत्पादन, रोजगार और निवेश अवसरों को बढ़ाने के लिए 'केरल में निर्मित' परियोजना पर और ध्यान दिया जाएगा।

एनसीएलटी ने रिलायंस कैपिटल के लिए दोबारा नीलामी की योजना पर रोक लगाई

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने कर्ज में डूबी कंपनी रिलायंस कैपिटल के लिए दोबारा नीलामी किए जाने की योजना के खिलाफ दायर टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स की अर्जी बृहस्पतिवार को स्वीकार कर ली। इसके साथ ही न्यायमूर्ति श्याम बाबू गौतम और न्यायमूर्ति प्रदीप नरहरि देशमुख की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि वित्तीय बोलियां मंगाने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है लिहाजा कर्जदाताओं को नीलामी का दूसरा दौर आयोजित करने से रोक रहेगी।

गत 21 दिसंबर को आयोजित ऑनलाइन नीलामी में टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स ने 8,640 करोड़ रुपये की सबसे ऊंची बोली लगाई थी। लेकिन रिलायंस कैपिटल के कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) को यह राशि समुचित नहीं लगी और वह नए सिरे से नीलामी की योजना बना रहे थे। इसके खिलाफ टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स ने एनसीएलटी में अर्जी लगाई थी। न्यायाधिकरण ने अपने आदेश में कहा, ''यह घोषित किया जाता है कि नीलामी प्रणाली को विस्तारित करने की प्रक्रिया कंपनी दिवाला एवं समाधान प्रक्रिया नियम की धारा 39ए का उल्लंघन करती है।'' इस आदेश के बाद सीओसी और रिलायंस कैपिटल के लिए नियुक्त प्रशासक को नीलामी में लगाई गई बोली के मूल्य में कोई भी बदलाव करने की छूट नहीं होगी। टॉरेंट के बाद आईआईएचएल ने 8,110 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। माना जा रहा है कि रिलायंस कैपिटल के कर्जदाताओं की समिति इस आदेश के खिलाफ राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में अपील कर सकती है। रिलायंस कैपिटल पर करीब 40,000 करोड़ रुपये का बकाया कर्ज है।

3200 रुपये के पार पहुंच सकते हैं टाइटन के शेयर, 951 करोड़ के मुनाफे के बाद शेयरों में 5 प्रतिशत की तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाइटन को अक्टूबर-दिसंबर 2022 तिमाही में 951 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट हुआ है, इसके बाद कंपनी के शेयर शुक्रवार को 6 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 2424.50 रुपये के स्तर पर पहुंच गए हैं।

टाटा ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी टाइटन के शेयरों में जबरदस्त तेजी आ सकती है। टाइटन कंपनी के शेयर 3200 रुपये के पार पहुंच सकते हैं। टाइटन को अक्टूबर-दिसंबर 2022 तिमाही में 951 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट हुआ है, इसके बाद कंपनी के शेयर शुक्रवार को 5 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 2424.50 रुपये के स्तर पर पहुंच गए हैं। टाइटन के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2790 रुपये है।

बाय रेटिंग के साथ 3290 रुपये का टारगेट प्राइस- ब्रोकरेज हाउस एडलवाइज ने टाइटन के शेयरों को बाय रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयरों को 3,290 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। एडलवाइज ने कहा है, हमारा मानना है कि कंज्यूमर स्पेस में टाइटन हाइस्ट ग्रोथ हासिल करेगी। कंपनी का शेयर हमारा टॉप पिक है। वहीं, ब्रोकरेज हाउस इमकेय ने भी टाइटन के शेयरों का बाय रेटिंग दी है। इमकेय ने टाइटन के शेयरों के लिए 2,940 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है।

अत्यावहारिक दरों पर निकायों में ठेका लेने वालों पर कसा शिकंजा

भोपाल। प्रदेश के नगरीय निकायों में निर्माण कार्यों के ठेके लेने अव्यवहारिक दरें प्रस्तावित करने वाले ठेकेदारों पर अब नगरीय प्रशासन विभाग शिकंजा कसने जा रहा है। निर्माण कार्यों के लिए अनुबंध न करने वाले ठेकेदारों की अमानत राशि भी राजसात की जाएगी और उन्हें निकायों के कामों के लिए दो साल के लिए प्रतिबंधित भी किया जाएगा।

नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई के मुताबिक निकायों में एसओआर से दस प्रतिशत से नीचे की दरों पर ठेका लेने वाले ठेकेदारों से अब अतिरिक्त परफारमेंस गारंटी लेने के साथ उनके काम की गुणवत्ता और समयसीमा की मानीटरिंग भी की जाएगी। गुणवत्ता में कमी आने, अनुबंध न करने और कार्यपूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदारों को काली सूची में डाला जाएगा और भविष्य में उन्हें काम नहीं दिया जाएगा। निविदा में भाग लेने वाले निविदाकारों का परीक्षण लोक निर्माण विभाग की ब्लैक लिस्ट सूची से किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग में ब्लैक लिस्ट होंने पर ठेकेदार का ठेका निरस्त किया जाएगा।

अतिरिक्त परफारमेंस गारंटी जमा होंने पर उसकी सत्यता का परीक्षण बैंक से कराकर ही अनुबंध संपादित किया जाएगा। जो ठेकेदार अनुबंध नहीं करेंगे इस स्थिति में ठेके दार की अमानत राशि (बिड सिक्युरिटी) को राजसात करने की कार्यवाही की जाएगी ।

काम की गुणवत्ता की होगी मानीटरिंग- ऐसे काम जिनमें अव्यवहारिक दरें प्राप्त होती है उनमें गुणवत्ता नियंत्रण पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य निर्धारित मापदंड अनुसार ही कराया जाएगा। ऐसे काम समयसीमा में पूर्ण नहीं किये जाते है इसके लिए कार्य के प्रभारी यंत्री एवं आयुक्त, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रगति की सतत निगरानी कर यह सुनिश्चित करेंगे कि यह कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा हो। संभाग स्तर पर अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्री भी ऐसे कार्यो की गुणवत्ता और प्रगति की मानीटरिंग करेंगे।

प्रभारी मंत्री सिलावट एवं जीडीसीए के उपाध्यक्ष महाआर्यमन सिंधिया ने मेले में लिया चाट पकौड़ी का आनंद

ग्वालियर। जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं जीडीसीए के उपाध्यक्ष महाआर्यमन सिंधिया ने देर शाम ग्वालियर व्यापार मेले में भ्रमण कर झूला सेक्टर, ऑटोमोबाइल सेक्टर, शिल्प बाजार, इलेक्ट्रॉनिक शोरूम एवं खानपान बाजार में भ्रमण किया तथा मद्रास कैफे पर जाट पकोड़े का आनंद लिया। इसकी साथ ही मेले में विभिन्न प्रकार के व्यवसाय करने वाले छोटे-छोटे वेंडरों से चर्चा की। भ्रमण के दौरान श्री सागर सिंह तोमर सहित अधिकारीगण एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट की अवमानना पर सख्ती, 12 कार्यपालन यंत्रियों को थमाए नोटिस

भोपाल। राज्य शासन ने हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना पर 12 कार्यपालन यंत्रियों को नोटिस थमाए हैं। इन इंजीनियरों का जवाब संतोषजनक नहीं होने पर निलंबन की कार्यवाही की जाएगी। जल संसाधन विभाग ने कोर्ट में रिट याचिका और अवमानना के करीब सवा पांच सौ मामलों में समय पर जवाब पेश नहीं किए जाने पर सख्ती दिखाते हुए यह कार्यवाही शुरू की है।

प्रदेश में सरकार के विरुद्ध किसानों ने भू अर्जन प्रकरणों के चार सौ से अधिक मामलों में हाईकोर्ट में मुआवजा देने के केस दायर कर रखे हैं। विभाग से संबंधित भू अर्जन की रिट याचिकाओं की संख्या 370 है और 33 अवमानना के केस हैं। साथ ही ठेकेदारों ने भी 108 केस दायर कर रखे हैं। इन केस में समय पर कोर्ट में जवाब नहीं आने से एक ओर सरकार की किरकिरी हो रही है। दूसरी ओर शासन को आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। इसलिए अब जल संसाधन विभाग ने कार्यपालन यंत्रियों को नोटिस थमाकर सात दिन में जवाब मांगना शुरू कर दिया है। सरकार ने इंजीनियरों को थमाए नोटिस में कहा है कि प्रभारी अधिकारी बनाए जाने के बाद भी समय पर जवाब पेश नहीं कर कोर्ट की अवमानना करने और सरकार के निर्देशों का पालन करने में गंभीर लापरवाही बरती गई है, इसलिए इस मामले में एक्शन लिया जाएगा।

इन कार्यपालन यंत्रियों को थमाए नोटिस

जल संसाधन विभाग द्वारा जिन कार्यपालन यंत्रियों को नोटिस थमाए गए हैं, उनमें कार्यपालन यंत्री एमपी सिंह त्यौंथर नहर संभाग रीवा द्वारा अवमानना के एक केस मे जवाब नहीं पेश किया गया है। इसी तरह राजेश चतुर्वेदी हरसी नहर संभाग को रिट याचिका के 10, अवमानना के तीन प्रकरण, सरोज सिंह कार्यपालन यंत्री उमरिया को रिट याचिका के दो प्रकरण, क्योंटी नहर संभाग रीवा के मनोज तिवारी को अवमानना के दो प्रकरण, मोहसिन हसन कार्यपालन यंत्री जौरा को रिट याचिका के तीन प्रकरण में जवाब नहीं दिए जाने पर सात दिन का नोटिस दिया गया है। कार्यपालन यंत्री सबलगढ़ डीके रत्नाकर को रिट याचिका के पांच, आरएन शर्मा ईई श्योपुर को रिट याचिका के एक व अवमानना के दो, ईई गोहद अंजुल दोहरे को रिट याचिका के एक, बीपी मिश्रा ईई नईगढ़ी सूक्ष्म दबाव सिंचाई परियोजना संभाग के रिट याचिका के आठ, आरके वर्मा ईई अपरपुरवा नहर संभाग रीवा को रिट याचिका के 3, अवमानना के पांच और सावन कुमार सोनी ईई लोवर सिहावल नहर संभाग चुरहट को रिट याचिका के तीन, एसएम तिवारी ईई महान नहर संभाग सीधी के रिट याचिका के पांच प्रकरणों में समय पर जवाब नहीं दिए जाने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर सात दिन में जवाब मांगा गया है।

थाईलैंड घूमना चाहते हैं तो आईआरसीटीसी दे रहा सस्ते में मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। होली के बाद अगर आप भी विदेश घूमने का मन बना रहे हैं, तो ये खबर आपके लिए है। भारतीय रेलवे की ईकाई इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन यानी आईआरसीटीसी के द्वारा थाईलैंड का सैर करने का पैकेज पेश किया गया है, जिसमें आपको कई मशहूर पर्यटन स्थलों की सैर कराई जाएगी।

आईआरसीटीसी की ओर से पेश किए गए, इस नए पैकेज का नाम डिलाइटफुल थाईलैंड एक्स लखनऊ है। यह पैकेज पांच रातों और छह दिनों का होगा। यह विमान यात्रा लखनऊ एयरपोर्ट से 17 मार्च को आरंभ होकर 22 मार्च को समाप्त होगी। हवाई यात्रा, वीजा फीस, तीन सितारा होटलों में ठहरने और भोजन की व्यवस्था भी आईआरसीटीसी की ओर से की जाएगी। इस पैकेज में थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक और अन्य प्रमुख शहर पटाया के कई मशहूर पर्यटन स्थलों को शामिल किया गया है। बैंकाक में जेम्स गैलरी, बैंकाक का हाफडे सिटी टूर, चाओप्राया क्रूज, सफारी वर्ल्ड, मरीन पार्क तथा सी लाइफ बैंकाक ओशिन पटाया में नांग नूच, ट्रापिकल गार्डन, अलकजार शो और कोरल आईलैंड यात्रियों को घुमाया जाएगा। इस टूर पैकेज में लखनऊ से बैंकाक तक जाने और वापसी की यात्रा विमान से होगी।

दो व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर पैकेज प्रति यात्री 57200 रुपये होगा। आइआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि पैकेज की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगी। इसकी बुकिंग आप आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर जाकर या फिर गोमतीनर पर्यटन भवन स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय जाकर कर सकते हैं। वहीं, आप अधिक जानकारी के लिए 8287930930 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

इन्फ्रा में निवेश बढ़ाने से वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में बढ़ेगा भारत, कृषि को मिलेगी मजबूती

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम बजट की घोषणाएं छोटे अप्लायंसेज, पैकेज्ड उत्पाद, छोटी कारों और दोपहिया वाहनों की घरेलू मांग को बढ़ा सकती हैं। डाबर इंडिया लिमिटेड के सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा कि बजट उपभोक्ता वर्ग और विशेष रूप से मध्यम वर्ग की जेब में अधिक आय डालने का वादा करता है। बुनियादी ढांचे के विकास पर पूंजीगत खर्च में 33 फीसदी वृद्धि सबसे सकारात्मक बात है, जो भारत को वैश्विक शक्ति बनाने की ओर ले जाएगा।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी एस23 सीरीज़ लॉन्च की, आकर्षक ऑफर्स के लिए अभी प्रि-बुक करें

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज नए गैलेक्सी एस23 सीरीज़ की प्रि-बुकिंग देश में सभी ऑनलाईन और ऑफलाईन रिटेल स्टोर्स पर शुरू कर दी। गैलेक्सी एस23 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस23+ और गैलेक्सी एस23 डिवाईसेज़ ने पूरी एक पीढ़ी को पीछे छोड़ते हुए सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन प्रस्तुत किए हैं, जो पर्यावरण के अपने प्रभाव को भी काफी कम कर देंगे।

गैलेक्सी एस23 स्मार्टफोंस प्रीमियम अनुभवों का मतलब बदल देंगे। गैलेक्सी एस23 सीरीज़ में अत्याधुनिक कैमरा क्षमताएं हैं, जिनकी मदद से उपभोक्ता फ्रंट और रियर कैमरे, दोनों से किसी भी तरह की रोशनी में शानदार फोटो और वीडियो ले सकेंगे, वो फ्यूचर-रेडी मोबाईन गेमिंग अनुभव प्राप्त कर सकेंगे, और पहले के मुकाबले दोगुनी रिसाईकल्ड सामग्री के साथ एक प्लैनेट-फ्रेंडली डिवाईस प्राप्त कर सकेंगे। गैलेक्सी एस23 अल्ट्रा में एडैप्टिव पिक्सल के साथ ऑल-न्यू 200 मेगापिक्सल का सैंसर है, जो बेहतरीन डिटेल्स के साथ इमेज कैप्चर कर सकता है। सुपर क्वाड पिक्सल एएफ के साथ रियर कैमरा लक्ष्य पर 50 प्रतिशत ज्यादा तेजी से फोकस करता है। गैलेक्सी एस23 सीरीज़ के फ्रंट कैमरा में ड्युअल पिक्सल ऑटो फोकस टेक्नॉलॉजी के साथ नाईटोग्राफी का फीचर दिया गया है, जो कम रोशनी में भी फ्रंट कैमरा से बेहतरीन इमेज प्राप्त करने में मदद करता है। ड्युअल पिक्सल ऑटो फोकस टेक्नॉलॉजी फ्रंट कैमरा से 60 प्रतिशत ज्यादा तेज फोकस प्रदान करती है। गैलेक्सी एस23 सीरीज़ के वीडियो सुपर एचडीआर, बेहतर न्वाईज़ कंट्रोल एलगोरिद्म, और रात में ज्यादा स्मूथ एवं शार्प आउटपुट के लिए दोगुना चौड़े ओआईएस के साथ ज्यादा सिनेमेटिक होते हैं।

शार्क टैंक इंडिया 2 में पैडकेयर ने पेश कीं विश्वसनीय मेंस्ट्रुअल वेस्ट मैनेजमेंट सेवाएं

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्पाद-संचालित कंपनी पैडकेयर, जो स्वच्छता मानकों में सुधार करके एक स्थायी समाज बनाने पर केंद्रित है, ज़िंदगी के सभी क्षेत्रों की महिलाओं को मेंस्ट्रुअल (मासिक धर्म) वेस्ट मैनेजमेंट सेवाएं प्रदान करती है। इस ब्रांड के फाउंडर अजिंक्य धारिया, हाल ही में पुणे से शार्क टैंक इंडिया 2 में अपनी यह पेटेंट टेक्नोलॉजी लेकर आए।

पैडकेयर के माध्यम से अजिंक्य अपने अभिनव प्रोडक्ट्स - यूवेको और सैनेको के साथ महिलाओं के वॉशरूम के अनुभव को बेहतर बनाने का उद्देश्य रखते हैं। ये प्रोडक्ट्स सैनिटरी पैड्स के उचित डिस्पोज़ल के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। पैडकेयर में 2त्न इक्विटी के लिए 50 लाख रुपए की मांग के साथ, अजिंक्य के नेक काम ने न सिर्फ 4 शार्क्स - पियूष, नमिता, विनीता और अनुपम को अपनी कंपनी में निवेश करने के लिए राजी किया, बल्कि उन्हें एक खुला ऑफर भी मिला, जो कि शार्क टैंक इंडिया के इतिहास में पहली बार देखा गया। देखिए यह दिलचस्प पिच, सिर्फ शार्क टैंक इंडिया 2 पर।

शार्क टैंक इंडिया में राहुल दुआ पहली बार होस्ट के रूप में नजर आ रहे हैं, जहां यह शो उभरते हुए एंटरप्रेन्योर्स को शार्क्स के एक शानदार पैनल के सामने अपने बिज़नेस आइडियाज़ पेश करने का मौका दे रहा है। इस पैनल में अनुपम मित्तल (शादी डॉट कॉम - पीपल ग्रुप के फाउंडर एवं सीईओ), अमन गुप्ता (बोट के को-फाउंडर एवं सीएमओ), पियूष बंसल (लेंसकार्ट डॉट कॉम के फाउंडर एवं सीईओ), अमित जैन (कार देखो ग्रुप, इंश्योरेंस देखो डॉट कॉम के सीईओ और को-फाउंडर), नमिता थापर (एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स की एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर) और विनीता सिंह (शुगर कॉस्मेटिक्स की को-फाउंडर एवं सीईओ) शामिल हैं।

बायजू ने करीब 1500 कर्मचारियों को नौकरी ले निकाला, कंपनी ने बताई छंटनी की यह बड़ी वजह

नयी दिल्ली, एजेंसी। एडटेक यूनिकॉर्न बायजू ने करीब 1,500 कर्मचारियों की छंटनी की है। छंटनी ने मुख्य रूप से डिजाइन, इंजीनियरिंग और प्रोडक्शन कार्यक्षेत्र से कर्मचारियों को प्रभावित किया है। अक्तूबर में बायजू ने करीब 2,500 कर्मचारियों की छंटनी की थी, जो उसके कार्यबल का 5 फीसदी था। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई है।

मामले की जानकारी रखने वाले चार लोगों ने बताया कि बायजू ने कॉस्ट ऑप्टिमाइजेशन और ऑपरेशंस की आउटसोर्सिंग का हवाला देते हुए करीब 1,500 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है।

बायजू के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी बायजू रवींद्रन ने अक्तूबर में कर्मचारियों को आश्वासन दिया था कि नियोजित 2,500 कर्मचारियों से आगे कोई छंटनी नहीं की जाएगी। एक सूत्र ने बताया कि कंपनी ऑपरेशंस, लॉजिस्टिक्स, कस्टमर केयर, इंजीनियरिंग, सेल्स, मार्केटिंग और कम्युनिकेशंस और अन्य क्षेत्रों में कुछ कार्यों को आउटसोर्स करने की योजना बना रही है। एक अन्य व्यक्ति ने कहा, प्रबंधन मौजूदा कर्मचारियों के जाने से पहले नए भागीदारों को लाना चाहता था। छंटनी अब हुई है। उन्होंने कहा, अभी कंपनी कर्मचारियों के साथ ज्यादातर संवाद व्हाट्सएप के माध्यम से कर रही है। मैं अनुमान लगा रहा हूं कि ऐसा इसलिए है क्योंकि वे चाहते हैं कि यह बात कम लीक हो... कंपनी ने नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद हमें सेवरेंस पैकेज का आश्वासन दिया है। टाइगर ग्लोबल समर्थित एडटेक यूनिकॉर्न की ताजा छंटनी ऐसे समय में हुई है, जब स्टार्टअप इकोसिस्टम लगातार फंडिंग की कमी से जूझ रहा है। अकेले जनवरी 2023 के पहले दो हफ्तों में कम से कम 1500 स्टार्टअप कार्यबल ने नौकरी खो दीहै। पिछले एक साल में 22,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की गई है। बायजू के एक पूर्व कर्मचारी ने कहा, इस बार वाइस प्रेसीडेंट और शीर्ष स्तर के प्रबंधक भी प्रभावित हुए हैं। जबकि हटाए गए कर्मचारियों में से अधिकांश या 95त्न जूनियर पदों पर हैं, ये सीनियर लेवल की भूमिकाओं का हिस्सा थे।

पेज 1 का शेष: दैनिक सांध्यप्रकाश विशेष

दूषित जल प्रबंधन में लापरवाही आमजन पर पड़ रही है भारी

अस्पताल, होटल, मॉल्स, ऑटोमोबाइल क्षेत्र, टेक्सटाइल, खाद्य उद्योग, इत्यादि में किया जाता है वहीं एसटीपी का उपयोग घरेलू अवशिष्ट जल में सी से दूषित तत्वों को निकालकर पानी को रियूज करने के रूप में होता है। कॉमन ईटीपी का संस्थान औद्योगिक क्षेत्रों में किया जाता है, जहां छोटी-छोटी इकाईयों से उत्सर्जित जल का उपचार किया जाता है।

हमारे जल संसाधनों में अवशिष्ट जल के बिना उपचार किए जाते रहने के खतरों ने हमारे नीति निर्धारकों को नीतियां बनाने हेतु बाध्य कर दिया। वेस्ट वॉटर मैनेजमेंट के लिए कानून बनाए गए, यहां तक हमारी न्यायिक व्यवस्था को भी इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। दि. 22.07.2017 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के परिचालन में माननीय एनजीटी ने संस्थानों में ट्रीटमेंट प्लांट लगाना और कार्यरत रहना, को अनिवार्य कर दिया। सारे देश में इसकी अनिवार्यता लागू की गई। इसके साथ प्रकरण क. 400/2017, होटल, रेस्टारेंट, मेरिज हाल, मोटल्स इत्यादि पर भी संयंत्रों की अनिवार्यता लागू की गई।

परंतु जैसा माना जाता है कि कानून बनाना आसान है, मगर उसका पालन करवाना बेहद कठिन होता है। मप्र राज्य की चर्चा करें तो एनजीटी के आदेश को लेकर जनवरी 2020 में मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने ईटीवी/ एसटीपी की अनिवार्यता का वैधानिक नोटिस जारी तो कर दिया पर सतही स्तर पर निर्देशों का पालन नहीं हो सका। प्रदेश के कई अस्पतालों में ईटीपी है ही नहीं और जहाँ है वहां उनके कार्यरत् होने का कोई प्रमाण नहीं है। कई होटल्स, रेस्टारेंट, मोटल्स और बैंक्वेट हॉल में पर्यावरणीय नियमों का पालन नही होता है तथा अपशिष्ट जल के उपचार की व्यवस्था ही नहीं हो ऑटोमोबाइल क्षेत्र में कार्यरत् सर्विस सेंटर उत्सर्जित जल का कोई उपचार नही करते हो संक्षेप में कहें, तो न्यायिक व्यवस्था द्वारा जारी निर्देशों का पालन संतोषजनक स्तर का नही है। इसकी वजह अधि- निचलों में दिए गए दंड के प्रावधानों का झही ढंग से इस्तेमाल नही करता है। यही वजह है कि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और अन्य अधिनियमों का कड़ाई से पालन नही होता है।

हमारे संविधान में धारा 21 और 243 में स्वच्छ वातावरण में जीने और जिम्मेदारों द्वारा सार्वजनिक स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी तय है। इसलिए मानव जीवन के लिए खतरा बन चुके अपशिष्ट जल का प्रबंधन एक गंभीर चुनौती है! अगर अब भी दूषित जल के उपचार में कड़ाई से नियमों का पालन नही करवाया गया तो देश में संक्रामक बीमारियां जो दूषित जल से फैलती है, से मरने वालों की तादाद बढ़ती ही जाएगी।

डीएफपीसीएल ने कमाया 252 करोड़ रुपये का मुनाफा, फिर भी शेयर है डाऊन

नई दिल्ली, एजेंसी। शुरुआत से 4030 फीसद तक बंपर रिटर्न देने वाले दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पेट्रोकेमिकल्स कॉरपोरेशन (डीएफपीसीएल) का नेट प्रॉफिट दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही के दौरान 39.67 फीसद बढ़कर 252.26 करोड़ रुपये हो गया। इसके बावजूद यह स्टॉक आज दबाव में है। शुरुआती कारोबार में दीपक फर्टिलाइजर्स 3.14 फीसद की कमजोरी के साथ 633.05 रुपये पर कारोबार कर रहा था। बता दें एक जनवरी 1999 को इस शेयर का भाव 15.37 रुपये था। डीएफपीसीएल ने एक नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 180.61 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी की परिचालन आय वित्त वर्ष 2021-22 की समान अवधि के 1,955.70 करोड़ रुपये की तुलना में समीक्षाधीन तिमाही के दौरान 40.85 फीसद की वृद्धि के साथ 2,754.76 करोड़ रुपये हो गई। डीएफपीसीएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक शैलेश सी मेहता ने कहा, कच्चे माल की प्रतिकूल कीमतों और कठिन वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद यह तीसरी तिमाही में हमारा अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछले 5 दिन में यह स्टॉक करीब 0.75 फीसद गिरा है। जबकि, एक महीने में इसने 8.63 फीसद का निगेटिव रिटर्न दिया है।

बच्चों ने नाले से एकत्र किया पालीथिन

छिंदवाड़ा । विश्व नम भूमि दिवस के अवसर पर सप्ताह भर चलने वाले जागरूकता कार्यक्रम में ज्ञान ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खजरी के ईको क्लब ने पर्यावरण नियोजन समन्वय संगठन भोपाल के मार्गदर्शन में 3 फरवरी शुक्रवार को ईको क्लब के प्रभारी विनोद तिवारी के नेतृत्व में शिक्षक कॉलोनी स्थित नाले में स्वच्छता अभियान चलाया जिसमे ईको क्लब के बच्चो ने नाले में जमा पालीथीन को एकत्र कर स्वच्छता अभियान चलाया।इस अवसर पर ईको क्लब के बच्चो के साथ शिक्षिका साधना धुर्वे, ईको क्लब सहायक सुरेश पहाड़े,मनोज विश्वकर्मा,श्रीमती उमा उईके ने भी स्वच्छता अभियान में सहयोग किया। ईको क्लब के जिला नोडल अधिकारी एवम नगर निगम के ब्रांड एंबेसडर विनोद तिवारी ने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई एवम कहा की विश्व नम भूमि दिवस पर हम सभी संकल्पित हो की हम स्वयं भी एवं स्वयं भी एवं अपने आसपास के सभी लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करने की समझाइस देंगे एवं किसी भी कीमत पर हम पॉलीथिन का उपयोग नहीं करेंगे।साथ ही अपने आस पास क्षेत्रो में नदी नालों के नम भूमि का संरक्षण करेगे जैव विविधता को बचाने इसी तरह से प्रयास करेगे।विश्व नम भूमि दिवस पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सागर मालवी दूसरे स्थान पर पारस साहू एवम तृतीय स्थान पर मयूर ठाकरे रहे ।बही प्रश्न मंच में समीर मालवी एवम अभिनव कुशराम दूसरे स्थान पर यश बोंडे,मयूर ठाकरे,तीसरे स्थान पर राजनंदनी एवम नेहा ऊइके की टीम रही ।

मिलकर बनाएंगे छिन्दवाड़ा को नम्बर वन दीपकराज जैन ने दिलाई शपथ

छिन्दवाड़ा । स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में छिन्दवाड़ा को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए नगर पालिक निगम आयुक्त राहुल सिंह, सहायक आयुक्त आर. एस. बाथम सहित तमाम स्वच्छता दूत एवं स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर दीपकराज जैन विविध वार्डों में जाकर जनमानस को स्वच्छता के प्रति जाग्रत कर उन्हें स्वच्छता की शपथ दिला रहे हैं। माघ शुक्ल तेरस शुक्रवार के शुभ दिन संध्या की बेला पर स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर दीपकराज जैन एवं स्वच्छता चैम्पियंस कमलेश बरमैय्या ने वार्ड नम्बर 19 पातालेश्वर धाम में जन सम्पर्क किया ओर वार्ड वासियों सहित मंदिर समिति के साथ दर्शनार्थियों को स्वच्छता का महत्व बताकर स्वच्छता सभा का आयोजन किया। श्री जैन की अपील पर सभी से स्वस्थ, स्वच्छ एवं सुंदर छिन्दवाड़ा बनाने का संकल्प लिया एवं प्लास्टिक रहित हो शहर अपना के तहत सभी नागरिकों को कपड़े की थैली का वितरण किया गया।इस अवसर पर क्षेत्रवासी जया पटेल, पुरुषोत्तम साहू, एडवोकेट अरुण बाउस्कार, तिलक गौस्वामी, आरती शर्मा, अर्चना बाऊसकर, दिलीप शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं पातालेश्वर धाम के दर्शनार्थी भी उपस्थित थे।

20 मार्च को साहू समाज का सामूहिक विवाह

छिन्दवाड़ा । राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन दिल्ली द्वारा संत शिरोमणी मॉ कर्मा जयंती के अवसर पर दिनांक 20 मार्च सोमवार को स्थानीय एस.डी. लॉन नागपुर रोड छिंदवाड़ा में प्रदेश स्तरीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया है । उक्ताशय की जानकारी संगठन के जिलाध्यक्ष एवं कार्यक्रम आयोजक प्रकाश साहू ने देते हुये बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुरारी गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन मुंबई, विशिष्ट अतिथि अशोक नोखेलाल साहू राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/बिहार प्रभारी राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन, छिंदवाड़ा, गिरीश साहू , राष्ट्रीय संगठन मंत्री/छ. ग. प्रभारी राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन गांगीवाड़ा, रविकिरन साहू प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन जबलपुर, नरेन्द्र साहू अध्यक्ष साहू समाज सेवा ट्रस्ट छिंदवाड़ा, भागीरथ साहू राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष उ.प्र. प्रभारी राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन देलाखारी, छिंदवाड़ा, राममोहन साहू नगर अध्यक्ष राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन छिंदवाड़ा, विक्रम साहू जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन छिंदवाड़ा एवं कार्यक्रम अध्यक्ष शैलेन्द्र साहू जिला कार्यकारी अध्यक्ष, राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन छिंदवाड़ा की उपस्थिति में संपन्न होगा । अत: समस्त साहू समाज से इस कार्यक्रम में अपने वर-वधु का विवाह करना चाहते हैं तो राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के जिला कार्यालय छिंदवाड़ा में मो.नं. 9425972328 पर संपर्क कर अपना पंजीयन करायें ।

उप विद्युत केंद्र घोघरी से हेल्पर को हटाए जाने और बिजली की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

अमरवाड़ा । उप विद्युत केंद्र घोघरी अंतर्गत लाइनमैन के हेल्पर को अन्यत्र जगह भेजने और ग्राम में बिजली की समस्या को लेकर समस्त ग्रामीणों ने विद्युत विभाग कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्यवाही की मांग की। वही ग्रामीणों और विद्युत कर्मियों के बीच कहासुनी के बाद विवाद बढ़ने के चलते मौका स्थल पर थाना निरीक्षक मोहन सिंह मर्सकोले ने पहुंचकर ग्रामीणों को समझाइश देते हुए मामला शांत कराया। ज्ञापन में बताया गया कि लाइनमैन के हेल्पर द्वारा लगातार बिजली के बिल भुगतान हो जाने के बावजूद भी कनेक्शन काट दिया जाता है। स्थानीय निवासी होने के बावजूद ग्रामीणों और हेल्पर के बीच आए दिन कहासुनी होती रहती है। इन सबके अलावा ग्राम पंचायत बाकी के भूमका ढाना में सिंगल फेस विद्युत तार होने के चलते सिंचाई के साधनों से ग्रामीणों को वंचित रहना पड़ रहा है। जिससे कृषि उपज का सही लाभ भी ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। लगभग 50 से ज्यादा किसानों की भूमि स्वामी के पास पानी उपलब्ध है परंतु बिजली समस्याओं के चलते किसान खेती नहीं कर पा रहे हैं। इन सब समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने अमरवाड़ा के विद्युत विभाग कार्यालय पहुंचकर उक्त समस्याओं से अधिकारियों और कर्मचारियों को अवगत करा कर जल्द से जल्द कार्यवाही की मांग की है।

छिंदवाड़ा जिले के 2.38 लाख किसानों के खातें में डाले 48 करोड़

छिन्दवाड़ा । प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज विदिशा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अन्तर्गत वर्ष 2022-23 की व्दितीय किश्त के लाभ के रूप में प्रदेश के लगभग 73 लाख किसानों के खाते में 1465 करोड़ रूपये से अधिक राशि अंतरित की जिसमें छिंदवाड़ा जिले के 237949 किसानों के खाते में अंतरित 47 करोड़ 58 लाख 98 हजार रूपये की

राशि शामिल है । मुख्यमंत्री श्री चौहान के कार्यक्रम के सीधे प्रसारण को जिला, विकासखंड व ग्राम पंचायत स्तर पर बेवकास्ट के माध्यम से हितग्राहियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा देखा व सुना गया। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के प्रसारण को जिला, विकासखंड व ग्राम पंचायत स्तर पर प्रोजेक्टर/बडी स्क्रीन के माध्यम से देखने व सुनने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये थे ।

सनरेज स्कूल के छात्र ने दूसरे छात्र को मारा चाकू

छिन्दवाड़ा । शहर के परासिया नाका क्षेत्र की प्रियदर्शनी कालोनी स्थित सनरेज स्कूल के एक छात्र को स्कूल के बाहर चाकू मार दिया गया है छात्र का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है छात्रों में बढ़ती गुंडागर्दी चिंता का विषय है अपने आपको दबंग साबित करने के चक्कर मे आजकल स्कूलों में छात्र अपनी गैंग बनाना बड़े गर्व की बात मानते हैं कुछ इसी फेर में यह छात्र चाकूबाजी का शिकार हो गया है चाकू उसके चेहरे और गर्दन पर मारा गया है घायल छात्र का नाम रोहित साहू है जो लालबाग के ही पास श्रीवास्तव कालोनी का निवासी हैं घटना के बाद राहुल के दोस्त उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाए थे राहुल ने बताया कि कल एक छात्र से उसकी कहा - सुनी हो गई थी और उसने देख लेने की धमकी दी थी शुक्रवार को क्लास के दौरान उसे बाहर बुलाया गया और विवाद कर चाकू मारा गया है आरोपी के साथ चार - पांच लड़के और थे जो स्कूल के ही छात्र है पुलिस घटना की जांच कर रही है छात्र रोहित साहू का कहना है कि वह सभी को जानता है।

घूर कर देखता था इसीलिए मारा चाकू

सनरेज स्कूल में जिस छात्र ने चाकू मारा है पीडित उसको पहचानता नहीं है। दोनों ही नाबालिग है, पीडित ने बताया कि जिसने चाकू मारा है उसने आरोप लगाया कि वह उसे घूर घूर कर देखता है। देहात पुलिस के टीआई गणपत उईके ने बताया कि प्रकरण की जांच चल रही है, पीडित जिला अस्पताल में भर्ती है।

नहीं रूक रही है कोयला चोरी

परासिया । गुढ़ी अंबाडा में बारिश के बाद से क्षेत्र में कोयला चोरी का अवैध कारोबार शुरू हो गया है वेकोलि की बंद एवं संचालित खदानो से अवैध उत्खनन और कोयला, लोहा चोरी बेखौफ जारी है कोयला चोर बड़ी संख्या में संचालित खदानों में सुरक्षा गार्ड पर हमला करके कोयला चोरी करने में भी पीछे नहीं हैं पूर्व में कई सुरक्षा गार्ड पर हमला होने की वजह से घायल भी हो चुके हैं जिसकी शिकायत पुलिस चौकी एवं थाना में दर्ज कराई जा चुकी है लेकिन कोयला चोरी रोकने में खान प्रबंधन सहित स्थानीय प्रशासन भी रोक लगाने नाकाम साबित हो रहा है जिससे कारण कोल माफिया के हौसले बुलंद है माइंस के आसपास के क्षेत्रों से कोल माफिया के आदमी दर्जनो मजदूरों द्वारा कोयला चोरी कराकर सुनसान इलाकों में एकत्रित किया जाता है फिर उसे महँगे दामो में बेचा जाता हैं क्षेत्र में चल रहे अवैध कोयला का काला खेल जोरो पर है जिसे लेकर खान प्रबंधन,सीआईएसएफ की सुरक्षा कोल माफिया के सामने बेकाम साबित नजर आ रही है। उपक्षेत्र अंबाड़ा में अवैध कोल उत्खनन एवं परिवहन जोरों पर जारी है।कोयलांचल में काले हीरे का अवैध कारोबार कई गुटो के द्वारा संचालित किया जाता है खानापुर्ति करने के लिए कभी कभी छोटे- बोरी वाले कोयला चोरों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करती है वहीं कार्रवाई के बाद भी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कोयला उत्खनन एवं परिवहन बेखौफ रात के अंधेरे से लेकर दिन से उजाले में चालू है लेकिन सीआईएसएफ और पुलिस प्रशासन क्षेत्र में बड़े माफिया पर कार्यवाही करने से परहेज करते नजर आते है जिससे यह बात प्रत्यक्ष रूप से उजागर होती है की कोयलांचल में काले हीरे के अवैध उत्खनन एवं परिवहन का अवैध काम आज भी बेखौफ जारी।

कोल माफियाओं के हौसला बुलंद तीन थाना क्षेत्र में होता है कोयले का परिवहन

इकलेहरा,गुढ़ी अंबाडा क्षेत्र में चल रहे अवैध कोयला का काला कारोबार खुलेआम संचालित है जो क्षेत्र में चल रहे अवैध सैकड़ों ईट भट्टे मैं सप्लाई किया जाता है जो तीन थाना क्षेत्र में वाहनों के माध्यम से कोल परिवहन करने वाले चांदामेटा, बड़कुही, परासिया गागीवाड़ा, उमरेठ, मुजावर, नौला खापा, मोरडोंगरी, कच्चराम, कर्मवीर कॉलोनी, नजरपुर, जमकुंडा, सहित आसपास के सैकड़ों ईट भट्टा चोरी के कोयले से सुलग रहे हैं वेकोलि ने पेंच एवं कन्हान क्षेत्र में सीआई एसएफ की तैनाती की गई है जिसके लिये कंपनी द्वारा हर महीने लाखों रुपए खर्च करती है उसके बाद भी संचालित खदानों से कोयला और लोहा चोरी लगातार बढ़ रही है

विकास यात्रा को लेकर भाजपा पार्षदों की आयुक्त से चर्चा

5 फरवरी से विकास यात्रा प्रारंभ हो रही है

छिंदवाड़ा । नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों ने विकास यात्रा को लेकर आज नगर निगम कमिश्नर राहुल सिंह से मुलाकात कर विकास यात्रा के विषय में चर्चा की । इस विषय में जानकारी देते हुए पार्षद दिवाकर सदारंग ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा विगत 15 वर्षों में किए गए विकास कार्यों को आम जनता के समक्ष रखने एवं जनता से सीधा संवाद करने के लिए विकास यात्रा प्रदेश के समस्त विधानसभा क्षेत्र में निकाली जा रही है । यात्रा का शुभारंभ आगामी 5 फरवरी 2023 से हो रहा है । यह विकास यात्रा छिंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में पहले शहर के संपूर्ण 48 वार्डों में जाएगी । जिसमें विगत 15 वर्षों के विकास कार्यों का लेखा-जोखा आम जनता के समक्ष रखा जाएगा । इस यात्रा में नगर निगम छिंदवाड़ा ने विगत 15 वर्षों में किए गए उल्लेखनीय कार्यों का भी समावेश होगा । साथ ही विकास रथ में स्थानीय नागरिकों से उनकी समस्याओं पर चर्चा कर तत्काल निराकरण हो सकने वाली समस्या का निराकरण भी किया जाएगा । नागरिकों से आवेदन भी स्वीकार किये जाएंगे । यात्रा में नुक्कड़ सभाए भी होंगी । विकास यात्रा में नगर निगम के समस्त अधिकारी कर्मचारियों के साथ-साथ क्षेत्र के जनप्रतिनिधि वरिष्ठ नेता गण भी इस यात्रा में शामिल रहेंगे । यह यात्रा का उद्देश्य आम जनता के बीच विगत 15 वर्षों के भारतीय जनता पार्टी के कार्यों को आम जनता के साथ संवाद के रूप में बताए जाएंगे । भाजपा पार्षद रंगू यादव , लोकेश डेहरिया , बलराम साहू , उदयसिंह पटेल , समेत पार्षद प्रतिनिधि शिव मालवीय , हरि ओम सोनी , संतोष राय , अभिलाष गोहर , राजेश मोखलगाय, अलकेश मालवी , राजकुमार बघेल , सुरेश उइके ने वार्डों में निकलने वाली विकास यात्रा को लेकर अनेकों सुझाव दिए और विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शुभारंभ के लिए सूचीबद्ध करने के लिए निगम आयुक्त से निवेदन किया है ।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए 5 फरवरी को भोपाल भेल दशहरा मैदान में होगा विशाल महाकुंभ

छिंदवाड़ा। अपने बुढ़ापे का एकमात्र सहारा पुरानी पेंशन के लिए मध्यप्रदेश

सहित पूरे देश में पुरानी पेंशन की मांग की जा रही है मध्यप्रदेश में प्रथम नियुक्ति दिनांक के साथ पुरानी पेंशन बहाली के लिए महेश्वर,जबलपुर,मैहर तथा उज्जैन में महाकुंभ के आयोजन (एनएमओपीएस) राष्ट्रीय आंदोलन पुरानी पेंशन बहाली संगठन के माध्यम से आयोजित किए जाने के पश्चात भोपाल में एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु की उपस्थिति में 5 फरवरी को भोपाल के भेल, दशहरा मैदान में आयोजित किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम की विधिवत अनुमति संगठन के प्रांत अध्यक्ष के माध्यम से पुलिस उपायुक्त सुरक्षा एवं आसूचना नगरीय पुलिस भोपाल से प्राप्त कर ली गई है। राष्ट्रीय आंदोलन पुरानी पेंशन बहाली के जिला प्रभारी अरविंद भट्ट, जिलाध्यक्ष विनोद डेहरिया,जिला समन्वयक ताराचंद भलावी ने छिंदवाड़ा जिले के सभी एनपीएस धारी अधिकारी कर्मचारियों से अपिल की है कि अपने हक और अधिकार के लिए,बुढ़ापे के एकमात्र सहारे के लिए पुरानी पेंशन बहाल कराने के उद्देश्य 5 फरवरी रविवार को भोपाल में अपनी उपस्थिति देने का कष्ट करें।

श्री दादा सांई बोरबेल वीटीसीए नागपुर ने 8 विकेट से की शानदार जीत

छिंदवाड़ा। टी-20 प्रीरिमियर लीग के तीसरे दिन री दादासाई बोरबेल वीटीसीए नागपुर विरूद्ध मोआईल इलेवन के मध्य खेला गया जिसके मुख्य अतिथि विनोद पटेल, जगेन्द्र अल्दक उपस्थित रहे । टास जीतकर मोआईल इलेवन ने पहले बल्लेवाजी करने का फैसला किया । जिसमें शिवम तिवारी 30 वाल में 29 रन, अमन यादव ने 16 वाल में 22 रन और सर्वेस 19 वाल में 21 बनाए टोटल 20 ओवर में 9 विकेट पर 138 रन बनाए । वालिंग में दादासाई बोरवेल वीटीसीए नागपुर के जियाहुल हक ने 4 ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट लिए दिनेश, क्षितिज, वंदित, जगदीप ने एक-एक विकेट लिए । वहीं बैटिंग में श्री दादासाई बोरबेल वीटीसीए नागपुर के सिद्देश ने 14 वाल में 23 रन, सौरभ ने 52 वाल में 72 रन, वंदिश

जोशी ने 33 वाल में 32 रन बनाए तथा दो विकेट खोकर 142 रन 17.05 ओवर में लक्ष्य पूरा किया । और 8 विकेट से जीत दर्ज की । मोआईल इलेवन के वालर हिमांशु यादव ने 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट, भूपेन्द्र 3 ओवर में 26 रन देकर 1 विकेट लिए । प्रतियोगिता के संरक्षक विवेक बंटी साहू भाजपा जिलाध्यक्ष, प्रतियोगिता सचिव संदीप मालवीय, अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, उपाध्यक्ष एवं खेल मित्र नितिन खंडेलवाल द्वारा जानकारी दी गई । मैन ऑफ दा मैच श्री दादासाई बोरबेल वीटीसीए नागपुर के सौरभ मैन ऑफ दा मैच रहे इन्हे समिति द्वारा नगद 11 सौ रूपये देकर पुरस्कृत किया ।आज दिनांक 04 फरवरी को दिल्ली चैलेंजर दिल्ली विरूद्ध सिवनी वायस के मध्य दोपहर 12.30 बजे शुक्ला ग्राउंड में खेला जाएगा

हनुमान जी एवं महादेव की प्रतिमा स्थापित

पूर्णाहुति के साथ हुई प्राण प्रतिष्ठा

छिंदवाड़ा । छिंदवाड़ा जिले के हंस नगर कॉलोनी में हनुमान जी और भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ।समिति सदस्यो ने बताया कि माघ मास के पावन पर्व पर हंस नगर कॉलोनी में तीन दिवसीय अनुष्ठान एवं हनुमान जी महाराज एवं महादेव जी की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के साथ हवन पूजन एवं भंडारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तीन दिनो तक विविध कार्यक्रम संपन्न हुए।पंडित कुंज बिहारी पाराशर शास्त्री द्वारा उक्त सारे धार्मिक कार्यक्रम संपन्न कराया गया। वार्ड के मारुति नंदन सेवा समिति हंस नगर कुकड़ा जगत के द्वारा भव्य प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। जिसमे अनेक लोगो ने इस धार्मिक कार्यक्रम मे उपस्थित होकर संपूर्ण विधि विधान के साथ भगवान की प्रतिमा को स्थापित कर धर्म का लाभ लिया इस अवसर पर वार्ड के वरिष्ठ नागरिक आई एम भीमनवार, रघुनाथ वर्मा, डॉक्टर मालवी, एस के गुजरे, मोहन मालवी एस पी भावरकर, एल एन विश्वकर्मा,रमेश डेहरिया, किशोर उसरेठे,महिला समिति एवं समस्त हंस नगर वार्ड वासी प्रमुख रूप से इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए सभी ने तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना कर इस कार्यक्रम में शामिल हुए और विशाल भंडारा के साथ प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कचरा फेंकने पर आयुक्त ने शराब दुकानदार पर रू 5000/- का जुर्माना किया

नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह वार्डो का किया औचक निरीक्षण

छिंदवाड़ा । फव्वारा चौक शराब दुकान के आस पास गंदगी करने व कचरा फेंकने पर आयुक्त ने शराब दुकानदार पर रू 5000/- का जुर्माना किया तथा 03 अन्य दुकानों पर डिस्पोजल का उपयोग कर उन्हें खुले में फेंकने पर ? 500-500 का जुर्माना लगाया।इसके उपरांत निगमायुक्त मटन मार्केट पहुंचे। जहां से अत्यधिक गंदगी एवं बदबू की शिकायत लगातार प्राप्त हो रही थी। मटन चिकन की दुकानों पर कार्यवाही करते हुए निगमायुक्त ने चार दुकानों पर कुल रू. 5400/- का जुर्माना लगाया। गल्ला बाजार में दुकानदारों ने तिरपाल बांध कर सड़क पर सामान रख अतिक्रमण किया था, आयुक्त ने इन दुकानदारों से सामान हटवाया तथा अपनी सीमा में ही सामान रखने की हिदायत दी पुनरावृत्ति करने पर भविष्य में कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी। इस क्षेत्र में आयुक्त ने अपने आसपास गंदगी करने वाले दुकानदारों से ही वहां सफाई करवाई। कार्यपालन यंत्री ईश्वर सिंह चंदेली ने वार्ड नं 25 व 32 में भ्रमण कर क्षेत्र में सीएनडी वेस्ट सार्वजनिक स्थल पर रखने पर संबंधित व्यक्तियों पर कुल रू. 5800/- का जुर्माना अधिरोपित किया।

एक ग्रुप ने की शराब सस्ती तो सब को करनी पढ़ रहा सस्ती

शराब के शौकीनों की बल्ले बल्ले , कम दाम में खरीदने लगी है होड़

छिंदवाड़ा । शराब की बिक्री में रेटिंग की आपसी प्रतिस्पर्धा के चलते इन दिनों शराब शौकीनों की बल्ले बल्ले हो गई है । अब उन्हें कम दाम पर ब्रांडेड ओग्रेजी शराब उपलब्ध कराई जा रही है और शराब के शौकीन पिछले दो दिनों से जमकर खरीददारी कर रहे हैं । शहर के शराब के एक समूह ने करीब पांच दुकानों में दाम कम कर दिए हैं ।

ऐसे में अन्य समूहों में हड़कंप का माहौल देखा जा रहा है । यदि यही - हाल रहा तो अन्य समूह भी दाम कम करने पर मजबूर हो जाएंगे। नियामकों का मानना है कि अब वित्तीय वित्तीय वर्ष में भी यही स्थिति बनी रहेगी । शराब के कुछ ब्रांड जिनमें एक ब्रांड जो अलग - अलग दुकानों पर 500 से 600 रुपए के बीच बिक रहा था । अब वह 400 से 450 रुपए के बीच बिक रहा है । लोग भारी मात्रा में उस ब्रांड को खरीद रहे हैं । एक और ब्रांड जिसका दाम 450 से 500 रुपए के बीच था . अब 300 रुपए प्रति बोतल में दिया जा रहा है ।

ठेका खत्म होने में बाकी है तीन माह

जिले में गत वर्ष 31 मार्च 2022 को शराब ठेके एक साल के लिए हुए थे । अभी नए वित्तीय वर्ष आने में पूरे तीन माह का समय बाकी है । बावजूद इसके एक समूह द्वारा शराब के दाम गिरा देने से अन्य ठेकेदारों में हड़कंप का माहौल देखा जा रहा है । उक्त मामले को प्रतिस्पर्धा से जोड़कर देखा जा रहा है ।

इनका कहना

शराब ठेकेदार न्यूनतम से अधिकतम दाम के बीच किसी भी दाम पर शराब बेचने के लिए स्वतंत्र है ।

अमिताभ त्रिपाठी
एडीओ आबकारी

जिसने आरोप लगाया उसने कहा, दबाव में आकर आशाराम बापू पर कार्यवाही करवाई

सत्संग, भण्डारा के साथ मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया

छिंदवाड़ा । परम् पूज्य संत श्री आशारामजी बापू द्वारा प्रेरित मातृ-पितृ पूजन दिवस की जिले भर में धूम है । श्री योग वेदांत सेवा समिति के माध्यम से जगह-जगह यह आयोजन सम्पन्न हो रहें हैं। इसी कड़ी में विकासखण्ड बिछुआ में साध्वी रेखा बहन का सत्संग भी सम्पन्न हुआ । जिसमें क्षेत्र के हजारों लोगों ने भाग लिया । साध्वी बहन ने माता - पिता और गुरु के महत्व से अवगत करवाकर पूज्य बापूजी के गांधीनगर (गुजरात) वाले प्रकरण का भी जिक्र किया जिसमें बापूजी को उम्रकैद की सजा हुई है। इस प्रकरण की तथाकथित घटना सन 2001 की और स्त्रङ्कक्र दर्ज सन 2013 में , फैसला सन 2023 में आया! इस केस में पुलिस ने 6 सह- आरोपी बनाए थे जिन पर लड़की को बापूजी के पास भेजने का आरोप था । जिनको न्यायालय ने बरी कर दिया । यह सदी का सबसे विचित्र केस है । ऐसे जजों का नार्को टेस्ट का प्रावधान भी सरकार को अनिवार्य रूप से करना चाहिए । इनके कारण न्याय व्यवस्था की छवि खराब होती है। आरोप लगाने वाली लड़की ने मीडिया में आकर और न्यायालय में शपथ पत्र देकर बताया कि उसने किसी के दबाव में आकर स्त्र ङ्क क्रकरवाई है । उसके साथ कुछ भी कोई गलत काम नही हुआ । जिसे न्यायालय ने और पुलिस ने मानने से इनकार कर दिया । जब सारे सहआरोपी बरी तो मुख्य आरोपी को सजा किस बात की ? बिछुवा ग्राम में संकीर्तन यात्रा भी निकाली गई । सत्संग के बाद भंडारा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । 25 दिसम्बर से जारी जगह-जगह मातृ-पितृ पूजन दिवस में जिले भर में 3 लाख से अधिक माता पिता पूजे जाने की खबर है। मुख्य कार्यक्रम 14 फरवरी को सम्पन्न होगा । इस दैवीय कार्य में समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई , खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई , गुरुकुल की संचालिका दर्शना खट्टर , लिंगा आश्रम की संचालिका साध्वी प्रतिमा बहन , युवा सेवा संघ के अध्यक्ष दीपक डोईफोड़े , गोवर्धन मालवीय ,दामोदर इंग्ले , विशाल चवुत्रे , कैलाश राउत , गोविंद पटेल , महिला समिति से सुमन डोईफोड़े , विमल शेरके , डॉ. मीरा पराडकर , छाया सूर्यवंशी आदि ने अपनी-अपनी सेवाएं दीं ।

संस्कृति मंच पर दिखी देश भक्ति की झलक

टूटी माला जैसे बिखरी किस्मत आज किसान की- सुदीप भोला

छिंदवाड़ा/ बिछुआ। नगर के दशहरा मैदान में शुक्रवार की रात संस्कृति मंच द्वारा एक शाम देश के वीर जवानों के नाम एवं स्टार डांस एवं म्युजिक कॉम्पटिशन का आयोजन किया गया। विकासखंड बिछुआ के 21 प्रतिभावन कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। संस्कृति मंच पर मुख्य रूप से प्रस्तुति में देश भक्ति की झलक नजर आई। संस्कृति मंच द्वारा जवान शहीद भरत यदुवंशी के पिता जी और माताजी को शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित वैभव अलोणी, तहसीलदार दिनेश कुमार उइके, नगर परिषद अध्यक्ष रामचंद्र बोबड़े, परमवीर चक्र विजेता योगेन्द्र सिंह यादव, अंर्तराष्ट्रीय कवि सुदीप भोला, कवि तरुण जैन, गायिका सौम्या शर्मा, पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे, चौरई विधानसभा प्रभारी प्रीतम सिंह पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष सतीश भलावी के विशेष आतिथ्य में हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सारेगामापा टीवी शो की गायिका सौम्या शर्मा ने सत्यम शिवम सुंदरम, एडिसन ग्रुप छिंदवाड़ा ने सुनो गोर से दुनिया वालों, आर्मी ग्रुप छिंदवाड़ा ने रंग दे बसंती, शासकीय महाविद्यालय आर्मी ग्रुप बिछुआ कर चले हम वतन साथियों, दिव्य ज्ञान पब्लिक स्कूल बिछुआ के छात्र-छात्राओं के द्वारा श्रोताओं का मंत्रमुग्ध कर दिया।

कवि सुदीप भोला ने गीतों के माध्यम से हास्य व व्यंग्य के बाण छोड़कर लोगों को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने राजनीतिक के साथ-साथ किसानों की वर्तमान स्थिति पर भी अपनी कविता प्रस्तुत की। सुदीप भोला जो देता है खुशहाली, जिसके दम से हरियाली, आज वही बर्बाद खड़ा है, देखो उसकी बदहाली, ऐसी आंधी चली की घर का तिनका तिनका बिखर गया आखिर धरती माँ से उसका प्यारा बेटा बिछड़ गया। अखबारो की रद्दी बनकर बिकी कथा बलिदान की टूटी माला जैसे बिखरी किस्मत आज किसान की सहित कई कविता के गीतों के माध्यम से सुनाकर वाहवाही लूटी।

19 गोलियां खाकर किया मरने का नाटक, ग्रेनेड फेंककर उड़ाई दुश्मनों की धज्जियां, फिर टाइगर हिल पर लहराया तिरंगा- परमवीर चक्र विजेता योगेन्द्र सिंह यादव 19 साल की उम्र में कारगिल युद्ध के दौरान अनुकरणीय युद्ध कौशल का प्रदर्शन करने वाले परमवीर चक्र से सम्मानित योगेंद्र सिह यादव आज भी उन पलों को याद करते हैं। कि दुश्मन सैनिकों को आता देखकर स्वयं जमीन पर लेट कर मरने का दिखावा करने लगा, लेकिन इसके बाद भी पाकिस्तानी सैनिकों ने उन पर गोलियां बरसाई। एक गोली उनके सीने में लगी थी लेकिन जेब में सिक्के होने की वजह से वह बच गए। इसके बाद रात को हमारी दूसरी टुकड़ी पूरी तैयारी के साथ ऊपर गई और टाइगर हिल पर तिरंगा लहराया।

कार्यक्रम के अंत में संस्कृति मंच द्वारा आयोजित खेल महोत्सव के विजेता खिलाड़ियों एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया।

G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

मध्यप्रदेश शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

जन अभियान
मध्यप्रदेश
संगच्छध्वम् संवदध्वम्

सामुदायिक नेतृत्व युवा समागम

समाज कार्य स्नातक एवं
परास्नातक स्तर के
22 हजार विद्यार्थियों का

राज्य स्तरीय सम्मेलन

अपराह्न 1:00 बजे से
जम्बूरी मैदान, भेल, भोपाल

सीएम इंटर्न्स बूटकैंप

मुख्यमंत्री यूथ इंटर्नशिप प्रोग्राम

(मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र)

18 से 29 वर्ष के 4695 युवाओं के लिए
'अर्न व्हाइल लर्न'
मॉडल पर इंटर्नशिप प्रोग्राम

शुभारंभ

अपराह्न 4:00 बजे से
पुलिस ग्राउंड, नेहरु नगर, भोपाल

मुख्य अतिथि

शिवराज सिंह चौहान

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

4 फरवरी 2023

D-11215/22

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents DDMP @Cmm adhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद
योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, मध्यप्रदेश शासन

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं
नीति विश्लेषण संस्थान, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2023